

टीम मुकेश अग्रवाल की पहल पर पंडरा बाजार में सफाई शुरू, 100 कर्मी लगाए गए

मुकेश ने रखा विजन, मांगा समर्थन

अग्रसेन भवन में टीम मुकेश अग्रवाल का परिचय सत्र आयोजित, सैकड़ों की संख्या मे शामिल हुए व्यापारी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। पंडरा बाजार के दुकानदारों की साफ-सफाई से जुड़ी समस्या को लेकर टीम मुकेश अग्रवाल की पहल का असर सामने आया है। टीम की ओर से गुरुवार को महापौर के समक्ष मंडी की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके बाद नगर निगम ने गुरुवार से पंडरा मंडी में विशेष सफाई अभियान शुरू कराया। नगर निगम की ओर से मंडी में 100 सफाईकर्मियों को लगाया गया है, जिन्होंने सफाई का काम शुरू कर दिया है। टीम मुकेश अग्रवाल ने इसे व्यापारी हित में उठाए गए कदम का परिणाम बताया।

अध्यक्ष पद के दावेदार मुकेश अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को केवल उठाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनके समाधान तक लगातार प्रयास करना प्राथमिकता है। पंडरा मंडी के दुकानदारों की सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्या को लेकर तत्काल पहल की गई और इसका परिणाम भी सामने आया है। मुकेश अग्रवाल ने कहा कि व्यापारी हित से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी इसी मजबूती के साथ अग्रवाल उठाई जाएंगी और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं के समाधान का

संक्षिप्त

दो माह में जेपीएससी अध्यक्ष और मेंबर नियुक्त करे सरकार : उच्च न्यायालय

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सरकार को दो माह में जेपीएससी में अध्यक्ष और मेंबर की नियुक्ति करने का निर्देश दिया है। इससे पहले सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहित राय एवं विभोर मयंक ने न्यायालय को बताया कि दो माह में जेपीएससी अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर लिए जाने की संभावना है। जिस पर न्यायालय ने 18 नवंबर तक सरकार को अनुगुलान रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 19 नवंबर निर्धारित की। पिछली सुनवाई में न्यायालय ने जेपीएससी में अध्यक्ष और मेंबर की नियुक्ति पूरी कर लेने की समय सीमा सरकार से मांगी थी। वन विभाग में अधिकारियों एवं कर्मियों की कमी से संबंधित कोर्ट के स्वत संज्ञान की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनकर एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। मामले में जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने न्यायालय को बताया गया कि अस्सिस्टेंट कंजवरेट आफ फोरिस्ट एवं रेंज फोरिस्ट ऑफिसर की परीक्षा प्रक्रिया रद्द कर दी गई है।

सेवा को सम्मान

बीएयू के पूर्व सीएमओ डॉ. यूएस वर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

संवाददाता

बाली/रांची। इंडोनेशिया के प्रसिद्ध पर्वतारोह स्थल बाली में 30वां अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेमिनार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कैंट होम्योपैथिक फार्मास्युटिकल संस्थान की ओर से आयोजित सेमिनार में भारत सहित इंडोनेशिया और विभिन्न देशों के करीब 85 होम्योपैथिक चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जटिल, पुराने और असाध्य रोगों के अनुसंधान तथा उनके उपचार से जुड़े अनुभव चिकित्सकों ने साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैंट होम्योपैथिक फार्मास्युटिकल से संबंधक डॉ. सोमनाथ देव ने की। उन्होंने संस्थान द्वारा निमित्त विभिन्न होम्योपैथिक औषधियों की गुणवत्ता और उपचार संबंधी अनुभवों पर विस्तार से प्रकाश डाला।



प्रयास किया जाएगा। इधर, टीम मुकेश अग्रवाल का अग्रसेन भवन में परिचय सम्मलेन का आयोजन किया गया। टीम के सभी सदस्यों ने व्यापारियों के बीच अपना विजन रखा। अध्यक्ष पद के दावेदार मुकेश अग्रवाल ने व्यापारियों से समर्थन देने का आग्रह किया। पूर्व अध्यक्ष कुणाल आजमानी ने टीम का परिचय कराते हुए कहा कि चैंबर चुनाव में मुकेश अग्रवाल ने एक सशक्त टीम बनाया, जो चैंबर को समय भी देने की तैयार है। मुकेश अग्रवाल ने व्यापारियों के लिए सड़क, कोर्ट से लेकर असेन के साथ लड़ाई लड़ी। इस बार नए चेहरे को भी मौका मिलना चाहिए। व्यापारियों की लड़ाई में लड़ने वाले को चैंबर में लाइये। पूर्व अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि यह जैन जी टीम है। इसमें जोश और होश दोनों हैं। टीम को आशीर्वाद दीजिए, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान हो सके। पूर्व अध्यक्ष अर्जुन जालान ने कहा कि आने वाले वर्ष में व्यापारियों की संघर्ष करना होगा। इस लिए टीम मुकेश अग्रवाल संघर्ष कर समाधान

निकालेंगे। अपना रोजगार बचाना है, तो टीम मुकेश अग्रवाल को जीता कर चैंबर भेजे। अपर बाजार की समस्याओं का समाधान मुकेश अग्रवाल ही कर सकता है। इन्हें आपका आशीर्वाद चाहिए। मंच का संचालन पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि इस बार चुनाव का माहौल अलग है। टीम मुकेश अग्रवाल ने एक मजबूत टीम चुनाव में उतारा है। सदस्यों को अपना समर्थन दे। उद्योगपति पुनीत पोद्दार ने कहा कि चैंबर हमेशा व्यापारियों के लिए खड़ा रहता है। चैंबर में नई जेनरेशन का आना जरूरी है। टीम मुकेश अग्रवाल ने चुन चुन कर युवाओं की टीम बनाई है। एक नई ऊर्जा के साथ इनकी टीम काम करने को तैयार है। आने वाला साल चैंबर और व्यापारियों के लिए अच्छा होने वाला है।

इस अवसर पर वर्तमान अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, विशाल पांडिया, सुरेश चंद्र अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, काशी प्रसाद कर्नौड़, पवन बजाज, मुकेश काबरा, अंजय सरावगी, ललित पोद्दार, मनोज चौधरी, निर्मल

पी-21 का जनसंपर्क अभियान तेज, व्यापारी हितों को बनाया चुनावी मुद्दा

रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के साथ बैठक की

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। चैंबर चुनाव को लेकर टीम पी-21 ने अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को टीम के सदस्यों ने मेन रोड, ओवरब्रिज, कडरू सहित विभिन्न क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया और व्यवसायियों से टीम के पक्ष में समर्थन की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने व्यवसायियों से संवाद कर चैंबर के विकास, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। टीम ने भरोसा दिलाया कि चुनाव में जीत मिलने पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ-साथ व्यवसायियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल की जाएगी। इसके

बुधिया, सज्जन पांडिया, विनोद जैन, मदन प्रसाद, विकास अग्रवाल भानु जालान, नारायण माहेश्वरी, अशोक प्रधान, अशोक पुरोहित, विश्वनाथ नारसरिण, मुकेश पांडे, संजय महुरी, विंदुल वर्मा, कौशल राजगढ़िया समेत अन्य लोग मौजूद



अलावा टीम पी-21 के सदस्यों ने रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में टीम ने एसोसिएशन के सदस्यों से चैंबर चुनाव में समर्थन देने की अपील की। इस दौरान व्यापार एवं परिवहन क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। आरजीटीए की ओर से अध्यक्ष राज किशोर सिंह, उपाध्यक्ष उदय सिंह, सचिव रविंदर दुबे, प्रवक्ता सुनील सिंह चौहान, पूर्व उपाध्यक्ष संजय जैन, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी सिंह, पूर्व

अध्यक्ष ऋषिदेव यादव, पूर्व अध्यक्ष प्रभाकर सिंह, कुमार माधवेन्द्र, विकास चंद्र वर्मा, आशीष कुमार सिंह, रविंदर सिंह मौजूद थे। पदयात्रा में अमित कुमार पाठक, अमित श्रीवास्तव, अमित सिंघानिया, अनीश सिंह, अरूप नंदी, देवनंदन उरांव, मनोज कुमार मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, एमडी सलीम, पूरुम आनंद, प्रमिला कुमारी, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, सजल श्रोथ, संतोष कुमार, संतोष उरांव, शैलेंद्र कुमार सुमन, शंकर शंभु राजेश, सुबोध जायसवाल, सुमन शर्मा, सुनील अग्रवाल, सूरज सेठ समेत अन्य लोग मौजूद थे।

थे। टीम मुकेश की ओर से अमित अग्रवाल, अमित किशोर अग्रवाल, अमित मिश्रा, अशोक प्रधान, आस्था किरण, सीए राज कुमार, डॉ. अधिषेक रामाधीन, जाल्पा कुजुर, मनीष जैन, अधिवक्ता निधि झुनझुनवाला, पौरुष जैन, प्रवीण

लोहिया, पूरुणेंद्र तुलस्यान, राहुल अग्रवाल, राजेश गाडोदिया (आनंद), श्रीकृष्ण अग्रवाल, सुनील कालरा, सुनील गुप्ता, तेजविंदर सिंह, उमंग सुल्तानिया समेत अन्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी अमित अग्रवाल ने दी।

सीआईएससीई राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ



नवप्रदेश संवाददाता

रांची। सेंट जेवियर्स विद्यालय, डोरंडा के आतिथ्य में बिहार एवं झारखंड क्षेत्र (रांची क्षेत्र), भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित सीआईएससीई राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता-2026 (बालिका वर्ग) का भव्य शुभारंभ आज जयपाल सिंह मुंडा स्पोर्ट्स हॉकी स्टेडियम, मोरबादी में हुआ। 10 से 12 सितंबर तक चलने वाली इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्रतिभाशाली छात्राएँ 14 वर्ष से कम, 17 वर्ष से कम एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शन कर रही हैं। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिकी, मंत्री, झारखंड सरकार रही। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, खेल पदाधिकारी, शिक्षक, प्रशिक्षक, गणमान्य अतिथि एवं अन्य विधिष्ठजन उपस्थित रहे।

खेल के साथ शिक्षा भी जरूरी : नेहा तिकी

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिकी ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ भी बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए

अत्यंत आवश्यक हैं।

सेंट जेवियर्स विद्यालय, डोरंडा के लिए गौरव

फादर फुलदेव सोरेंग, एस.जे., प्रधानाचार्य, सेंट जेवियर्स विद्यालय, डोरंडा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी विद्यालय के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।

रोमांचक मुकाबलों ने बढ़ाया उत्साह

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न टीमों के बीच कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। उपलब्ध परिणाम इस प्रकार रहे।

मुकाबला परिणाम

तमिलनाडु, पुडुचेरी एवं अंडमान-निकोबार बनाम ओडिशा ओडिशा ने 3-0 से जीत दर्ज की
उत्तर-पश्चिम क्षेत्र बनाम उत्तराखंड 0-0 से मुकाबला बराबरी पर समाप्त
कर्नाटक एवं गोवा बनाम महाराष्ट्र कर्नाटक एवं गोवा ने 4-0 से जीत दर्ज की
ओडिशा बनाम उत्तर-पश्चिम क्षेत्र उत्तर-पश्चिम क्षेत्र ने 1-0 से जीत दर्ज की



रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट रांची की \ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते टीम ने गुरुवार को सराहनीय कार्य करते हुए रेलवे कॉलोनी क्षेत्र से लावारिस अवस्था में मिली एक नवजात बच्ची को सुरक्षित बरामद कर अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, 10 सितंबर 2026 को सुबह करीब 6:10 बजे चाइल्डलाइन के पर्यवेक्षक ने मोबाइल फोन के माध्यम से आरपीएफ को सूचना दी कि अधिकारी रेलवे कॉलोनी, रांची में एक नवजात बच्ची लावारिस अवस्था में पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक हेमंत कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में एलसीटी रीना यादव, एलसीटी जिनिद टोपनो, आरक्षी नमन सुरिन, उप निरीक्षक सुशीला बाराइक तथा एलसी आशा टोपेो शामिल थीं। मौके पर जांच के दौरान नवजात बच्ची कंबल में लिपटी हुई लावारिस अवस्था में मिली। आसपास बच्ची के माता-पिता अथवा किसी अभिभावक का पता नहीं चला और न ही कोई व्यक्ति बच्ची पर दावा करने के लिए वहां मौजूद था। आरपीएफ टीम ने बच्ची की सुरक्षा और उचित देखभाल को प्राथमिकता देते हुए उसे सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट रांची पहुंचाया। इस दौरान बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के कर्मचारी शंकर प्रजापति भी मौजूद रहे। मामले को सूचना एलपीएस, चुटिया को भी दी गई। इसके बाद बाल कल्याण समिति के सहयोग से नवजात बच्ची को आवश्यक चिकित्सीय उपचार और संरक्षण के लिए रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, मोरहाबादी, रांची में भर्ती कराया गया। आरपीएफ की इस त्वरित कार्रवाई से नवजात को समय पर चिकित्सा सुविधा और संरक्षण मिल सका। आरपीएफ की ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते पहल के तहत रेलवे परिसर और उसके आसपास संकट में मिले बच्चों को सुरक्षित संरक्षण दिलाने का कार्य किया जाता है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर आरपीएफ की संवेदनशीलता और तत्परता को रेखांकित किया है।

बिरसा कृषि वि्वि में 113 लोगों ने रक्तदान किया



रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 9-10 सितम्बर को आयोजित रक्तदान शिविर में विभिन्न महाविद्यालयों और इकाइयों के कुल 113 विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने रक्तदान किया। बीएयू मुख्यालय में 40; रवींद्रनाथ टैगोर कृषि महाविद्यालय, देवघर में 30; उद्यान महाविद्यालय, चाईबासा में 19; तिलका मांझी कृषि महाविद्यालय, गोड्डा में 10; कृषि महाविद्यालय, गढ़वा में 9 तथा मात्स्यिकी विज्ञान महाविद्यालय, गुमला में 5 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे किसी का जीवन बचाया जा सकता है। निर्यात रक्तदान से समाज में मानवता और सहयोग की भावना बढ़ती है। इसलिए स्वस्थ व्यक्तियों को रक्तदान कर दूसरों के जीवन में आशा की किरण जगानी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बीके झा ने बताया कि विश्वविद्यालय मुख्यालय में यह शिविर रिम्स तथा सदर अस्पताल, रांची के सहयोग से आयोजित किया गया जिसे सफल बनाने में महाविद्यालयों के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारियों ने विशेष भूमिका निभाई।

एच.ई.सी.में उत्पादन का कोई विकल्प नहीं है : लीलाधर सिंह

रांची। एचईसी में उत्पादन का कोई विकल्प नहीं है। एचईसी में सितंबर माह में 10 करोड़ रुपये के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। लीलाधर सिंह ने कहा कि कार्यशील पूंजी का अभाव, पुरानी मशीनें, टूटी हुई छत और उस पर लगातार हो रही बारिश के बावजूद निदेशक उत्पादन के नेतृत्व में एचईसी के कामगार और अधिकारी मिलकर उत्पादन में जुटे हैं। प्लांट के भीतर फैले स्क्रेप और स्टील को इकट्ठा कर उसे गलाया जा रहा है। इसके कामगारों के अनुसार ढांचा तैयार कर मशीनें बनाई जा रही हैं। इस तरह कठोर परिश्रम से मशीनों का उत्पादन कर उनका क्रियंत्र किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन और उसके क्रियंत्र का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके कामगारों और औद्योगिक शााति का बहुत बड़ा योगदान है। लीलाधर सिंह ने कहा कि जिस तरह भारत सरकार का एचईसी जैसे सार्वजनिक उपक्रम (मातृ उद्योग) के प्रति सौतेला व्यवहार है, उसमें बहुत अधिक आशा नहीं है। राज्यसभा की संसदीय समिति अच्छा काम कर रही है। इसके बावजूद भारत सरकार के रवैये को देखते हुए बहुत कम उम्मीद है कि कंपनी कुछ विशेष कर पाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद एचईसी के कर्मचारी जिस तरह अधिक उत्पादन कर रहे हैं, वह काबिलेतारीफ है। 10 वर्ष पुराने वेतनमान पर काम करने, प्रोन्नति नहीं मिलने, वर्षों के बकाया वेतन और देर से वेतन भुगतान के बावजूद कामगारों के दिल में एचईसी को पुनर्जीवित करने का जज्बा है। निश्वास है कि एक न एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी। निदेशक उत्पादन के साथ हुई वार्ता में लीलाधर सिंह के साथ भाग साव, धनंजय श्रीवास्तव, जगन्नाथ राम और गिरिश कुमार चौहान ने भाग लिया।

पहले इंडिया फाउंडेशन ने अमेजन पे के साथ मिलकर आज डीसीआईआई 2026 जारी किया

रांची : पहले इंडिया फाउंडेशन ने अमेजन पे के साथ मिलकर आज डिजिटल क्रेडिट एंड इंकलुजन इंडेक्स (डीसीआईआई) 2026 जारी किया। यह भारत का पहला ऐसा संयुक्त मानक है, जो देश के डिजिटल क्रेडिट के स्फर की पूरी तस्वीर दिखाता है। यह अध्ययन 20 राज्यों के 100 शहरों में 5,000 से ज्यादा लोगों से सीधे बातचीत पर आधारित है। आम तौर से वेतन के मानक ज्यादातर यही देखते आए हैं कि डिजिटल भुगतान कितना अपनाया गया या कुल कर्ज कितना बढ़ा। डीसीआईआई इससे आगे जाकर देखाता है कि डिजिटल क्रेडिट तक पहुंच किसकी है, लोग उसे कितनी आसानी से और कितनी बार इस्तेमाल करते हैं, उधार क्यों लेते हैं, उस पर भरोसा करते हैं या नहीं, और उसके इस्तेमाल से उनकी वित्तीय स्थिति सचमुच बेहतर होती है या नहीं। भारत के वित्तीय समावेशन की तस्वीर में यह एक बड़ी कमी को भरता है। अमेजन पे इंडिया के सीईओ विकास बंसल ने कहा भारत के बेहतरीन डिजिटल भुगतान ढांचे ने करोड़ों लोगों के लेनदेन का तरीका बदल दिया है। अगला कदम यह है कि डिजिटल क्रेडिट भी उतना ही सुलभ, भरोसेमंद और काम का बने। दिसर-2 शहरों का डिजिटल क्रेडिट में आगे निकलना बताता है कि अगली बड़ी बहुत कहां से आ सकती है।

08 जिलों में 11 को भारी बारिश का रेलो अलर्ट

रांची। राज्य के आठ जिलों में शुक्रवार को भारी बारिश होने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से रेलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश हो सकती है, उनमें राज्य के उत्तर पश्चिमी और दक्षिणी जिले शामिल हैं। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा के अलावा झारखंड के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां और सिमडेगा शामिल हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश देवघर जिले के मधुपुर में 80.1 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.4 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस रांची के नामकुम में रिकार्ड किया गया है। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बारिश दर्ज की गई। साथ ही दिनभर मौसम सुहाना बना रहा।

बाली में 30वां अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेमिनार संपन्न



सेमिनार में रांची के वरिष्ठ चिकित्सक एवं बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. यूएस वर्मा को होम्योपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल ऑफ़ करीब तीन दशक तक बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रहे हैं।

वर्तमान में वे कचहरी चौक के निकट डिट्डीपाड़ा स्थित यूएस पॉली क्लीनिक एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक हैं। उन्होंने एलोपैथिक और होम्योपैथिक दोनों चिकित्सा पद्धतियों में शिक्षा प्राप्त की है।

भर्ती परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ धनबाद में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

सीबीआई जांच की मांग पर अड़े नेता

नवप्रदेश संवाददाता

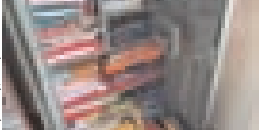
धनबाद। जेपीएससी, जेएसएससी - सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित धांधली और भ्रष्टाचार के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को धनबाद समाहरणालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा के 8 से 11 सितंबर तक चलने वाले राज्यव्यापी आंदोलन के तहत आयोजित इस प्रदर्शन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

राज्य में ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर भर्ती तक हर जगह भ्रष्टाचार का बोलबाला है- भानु प्रताप शाही

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने कहा कि राज्य में ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर भर्ती तक हर

चिपरी गांव में एक ही रात तीन घरों में चोरी

10 से 15 लाख के जेवरात समेत लाखों की संपत्ति ले उड़े चोर, ग्रामीणों में दहशत



नवप्रदेश/चतरोचट्टी। गोमिया प्रखंड के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के चिपरी गांव में चोरों ने एक ही रात में तीन घरों में चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस की रात्रि गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश व्याप्त है।जानकारी के अनुसार, विशेष्वर सिंह के घर से चोरों ने करीब 10 से 15 लाख रुपये मूल्य के जेवरात समेत अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। वहीं चंद्रदेव सिंह और स्वर्गीय सिद्धि सिंह के घर में भी सेंधमारी कर चोरी की गई।ग्रामीणों के अनुसार, चतरोचट्टी थाना गांव से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद एक ही रात में तीन घरों में चोरी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। ग्रामीणों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर असुक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

लायंस क्लब में सत्र 2026-27 की नई कार्यकारिणी का गठन



नवप्रदेश/बाघमारा। हरिणा कॉलोनी के सुभाष भवन में बुधवार शाम लायंस क्लब बाघमारा का चार्टर्ड नाइट सह पदस्थापना समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कार ज्ञानपीठ हरिणा के बच्चों के स्वागत गान से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में लायंस जिला 322ए की जिला पाल पीएमजेएफ शुभा मजुमदार मंच पर मौजूद रहीं। समारोह में द्वितीय उप जिला पाल एमजेएफ सुजीत कुमार पदस्थापना अधिकारी और पूर्व जिला पाल एमजेएफ सिद्धार्थ मजुमदार इंडक्शन ऑफिसर के तौर पर

शामिल हुए। दोनों ने नए सदस्यों सुनैना जमुआर और सतीश मोदी को लायनवाद की शपथ दिलाई। इसके बाद सत्र 2026-27 के लिए चयनित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण हुआ। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी हिमांशु शेखर खसुवंत देवा एनवायरनमेंट, एमके तिवारी और दीपक गुला हेल्थ चेयरपर्सन की भूमिका निभाएंगे। समारोह में अतिथियों ने क्लब की स्मारिका 'उमंग' का लोकार्पण किया। सचिव नीरजा राय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। निवर्तमान अध्यक्ष संगीता देवी ने सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

मन और इंद्रियों को वश में कर समता की साधना ही सामयिक : उपासिका शांति

पर्युषण पर्व के तीसरे दिन जैन श्वेतांबर तेरापंथ समाज ने मनाया सामयिक दिवस

नवप्रदेश/बोकारो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, चास-बोकारो की ओर से चास के पुराना कुलदीप टॉकीज कॉम्प्लेक्स स्थित माणकचंद छल्लाणी निवास स्थान में मनाए जा रहे पर्युषण पर्व के तीसरे दिन गुरुवार को आचार्य श्री महाश्रमण जी के आध्यात्मिक निदेशन में सामयिक दिवस मनाया गया। इस दिन का उद्देश्य आंतरिक शुद्धि और आत्म-साधना पर जोर

देना होता है। पर्युषण पर्व के दौरान जैन समुदाय विशेष रूप से आध्यात्मिक क्रियाओं में संलग्न रहता है और सामयिक दिवस इसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दौरान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिक्षा उपासिका श्रीमती शांति गुजरानी एवं सहयोगिनी सुश्री निहारिका सिंघी की उपस्थिति में सामयिक के इस विशेष दिन पर जैन श्वेतांबर तेरापंथ समाज के दर्जनों लोगों ने सामूहिक रूप से सामयिक की साधना की। अभिनव सामयिक में ध्यान एवं जप के प्रयोग करवाए गए। इस अवसर पर धर्मसभा में उपस्थित श्रावकों को संबोधित करते हुए उपासिका श्रीमती शांति



गुजरानी ने सामयिक की महत्ता रेखांकित की। कहा कि मन एवं इंद्रियों को वश में कर समता की साधना करना सामयिक है। सामयिक का शाब्दिक अर्थ है

समता में रहना, जो जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक क्रिया है। यह एक ऐसी साधना है जिसमें व्यक्ति कुछ समय के लिए सांसारिक गतिविधियों से खुद को अलग कर

लेता है। इस दौरान वे ध्यान, प्रार्थना, और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करते हैं, जिससे मन को शांति मिलती है और आत्म-साधना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि समता को जीवन में उतारना ही सामयिक है। सामायिक समता की शिक्षर साधना है। परिस्थिति चाहे कैसी भी हो, कोई भी बात मन के प्रतिकूल है। ऐसे में सामायिक की सिद्धि को संरोकार मिल जाता है। विषमता को मिटाकर समता रूपी लक्ष्य के साथ साधना करने वाले को जीवन सफल, सार्थक, अनुकरणीय व प्रेरणा स्रोत बन जाता है। जिस तरह अगरबत्ती

स्वयं जलकर पूरे वातावरण को सुरभित कर देती है, इसी प्रकार सच्ची साधना, आराधना परिवार, समाज व राष्ट्र रूपी भूमंडल को शांति-सहिष्णुता और समभाव की भावना से ओतप्रोत कर सकती है। मौके पर प्रकाश कोठारी, संजय बाँठिया, अभय, बजरंग लाल, प्रमोद चौरड़िया, दिव्य बैद, रेणु चौड़ड़िया, सुनीता कोठारी, निकिता चोपड़ा, ललित चोपड़ा आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, चास-बोकारो के मीडिया प्रमुख सुरेश बोथरा ने दी। पर्युषण पर्व के चौथे दिन शुक्रवार को वाणी संयम दिवस मनाया जाएगा।

जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विषम परिस्थितियों में काम करने वाले

गुप के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्याम पांडेय ने संयुक्त रूप से लोगो जारी किया। वह महोत्सव धनबाद प्रेस क्लब के बेनर तले हो रहा है,जिसके प्रायोजक 99 गुप ऑफ कंपनीज हैं। 16 और 17 सितंबर को 99 गुप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले इस महोत्सव में बैडमिंटन, शतरंज, लुडो और कैरम की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें शामिल होने के लिए पत्रकारों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

करना होगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रतिभा कुमारी ने कहा कि खेल से समन्वय और सहयोग की भावना मजबूत होती है पत्रकारों की व्यस्त दिनचर्या में ऐसे आयोजन तनाव कम करने और आपसी संवाद बढ़ाने में मददगार होते हैं।जिला

एक नजर

सहयोगिनी के संग बेटियों ने ली बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ



नवप्रदेश/कसमार : कसमार प्रखंड मे स्थित मध्य विद्यालय मुरहुलसुदी में गुरुवार को बाल विवाह मुक्त भारत एवं बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। सहयोगिनी,और जस्ट राइट्स के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने एकजुट होकर कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक करने का सशक्त संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक चंद्रभूषण कपरदार ने कहा कि शिक्षा ही वह सबसे बड़ा माध्यम है, जिससे बाल विवाह और बाल श्रम जैसी बुराइयों पर अंकुश लगाया जा सकता है। शिक्षकों ने जोर देकर कहा कि 18 वर्ष से कम आयु में विवाह करना न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और स्वास्थ्य को भी खतरे में डालता है। अभियान का मुख्य ध्येय ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों को जागरूक करना है, ताकि वे बेटियों की समय से पहले शादी करने के बजाय उन्हें उच्च शिक्षा दिलाएं और उनके सपनों को उड़ान दें। कार्यक्रम में सहायक शिक्षक विजय दास, वॉरेंड सिंह मुंडा, नकुल मुंडा, आशुतोष कुमार, सदीप कुमार महतो छात्रा तन्वी कुमारी, मौनू कुमारी, करिश्मा खातून प्रतिमा कुमारी, शोभा कुमारी,प्रिया कुमारी, पूनम कुमारी सहित अन्य छात्राएं मौजूद थीं।

साइबर अपराध के मामले में तीन महीने से फरार आरोपी को गिरफ्तार

नवप्रदेश/बोकारो- बोकारो पुलिस ने साइबर अपराध के एक मामले में तीन महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक महिला की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप है। बालीडीह थाना पुलिस ने चंदनकिरारी के बाभनडांगरा निवासी राजा बाबू दास को चास के धर्मशाला मोड़ से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजा बाबू दास और शिकायत करने वाली महिला पहले पति-पत्नी थे। डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि बालीडीह थाना क्षेत्र के करहरिया गांव की रहने वाली एक महिला की शिकायत पर साइबर अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी राजा बाबू दास का नाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बाद में दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह महिला को उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था।केस दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। हालांकि, आरोपी अपना ठिकाना बदलकर करीब तीन महीने तक पुलिस को चकमा देता रहा। पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी चास के धर्मशाला मोड़ पर पहुंचने वाला है। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराध से जुड़े मामलों में आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

बीजीएच की गुणवत्ता पर फिर मुहर, आईएसओ 9001:2015

प्रमाणन तीन साल के लिए नवीनीकरण की सिफारिश

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। बोकारो अस्पताल संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं (एमएंडएचएस) विभाग में आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंध प्रणाली (दतर) का तीन दिवसीय री-सर्टीफिकेशन ऑडिट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बाह्य लेखापरीक्षक संस्था मेसर्स टीयूपी के ऑडिटर्स ने विभाग की विभिन्न सेवाओं और प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की। ऑडिट के बाद प्रमाणन को अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकृत करने की संसुति की गई। ऑडिट की शुरुआत 7 सितंबर को बीजीएच में उद्घाटन बैठक के साथ हुई। अस्थिशास्त्री निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) की अध्यक्षता में हुई बैठक में महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) ने ऑडिट की रूपरेखा साझा की। टीयूपी के लीड ऑडिटर ने ऑडिट की कार्यप्रणाली, उद्देश्य और आवश्यकताओं की जानकारी दी। तीन दिनों तक स्वास्थ्य सेवाओं, नैदानिक प्रक्रियाओं, दस्तावेजीकरण, अस्पताल प्रबंधन और गुणवत्ता मानकों के अनुपालन की जांच की गई। 9 सितंबर की समापन बैठक में ऑडिट टीम ने निष्कर्षों के साथ सुधार के संभावित क्षेत्रों पर भी सुझाव दिए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे ऑडिट सेवाओं में निरंतर सुधार का अवसर देते हैं। आईएसओ प्रमाणन का नवीनीकरण रोमी-केन्द्रित देखभाल, प्रक्रियागत उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के प्रति बीजीएच की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

सुंदरम स्टील विस्तार के खिलाफ ग्रामीणों का तेवर तल्ख

नवपदेश/बोकारो। औद्योगिक विस्तार की तैयारी के बीच ग्रामीणों ने अब पर्यावरण और अपने अधिकारों को लेकर सीधा सवाल खड़ा कर दिया है। सुंदरम स्टील प्राइवेट लिमिटेड के विस्तारीकरण एवं नए फेरो अलॉय प्लांट की स्थापना को लेकर आयोजित पर्यावरणीय लोक सुनवाई का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। सबसे बड़ा सवाल यह रहा कि जिन गांवों की जमीन, पानी, खेती, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर परियोजना का असर पड़ने की आशंका है, वहां सुनवाई कराने के बजाय बियाड़ा भवन में कार्यक्रम आयोजित कर प्रभावित लोगों की वास्तविक भागीदारी कैसे सुनिश्चित होगी? ग्रामीणों ने आशंका जताई कि प्लांट के विस्तार के बाद प्रदूषण बढ़ सकता है। इसका असर जल स्रोतों, कृषि भूमि और ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ने की बात कही गई। ग्रामीणों का कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन उसकी कीमत लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को चुकाकर नहीं होनी चाहिए। आजसू पार्टी के लोगों जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि क्षेत्र में प्रदूषण को लेकर पहले से शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में विस्तार की अनुमति से पहले वर्तमान प्रदूषण स्तर और नियंत्रण व्यवस्था का निष्पक्ष आकलन जरूरी है। उन्होंने स्थानीय लोगों को स्थायी रोजगार देने तथा सीएसआर मद में खर्च होने वाली राशि का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। कहा कि विस्तारीकरण से पहले प्रदूषण, जल स्रोतों की सुरक्षा, रोजगार और सीएसआर पर स्पष्ट जवाब देना होगा। विकास के नाम पर ग्रामीणों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और अधिकारों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

धनबाद प्रेस क्लब के मॉनसून खेल महोत्सव के लोगो का अनावरण, 16 से होगा आगाज

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय मॉनसून खेल महोत्सव के लोगो का अनावरण गुरुवार को कर दिया गया। 99 गुप के मेमको मोड़ स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सहायक नगर प्रशासक प्रतिभा कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक मिश्रा, प्रेस क्लब अध्यक्ष संजीव झा और 99



प्रेस क्लब के वरीय उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, बलवंत कुमार,शरद पांडेय,प्रतीक पोपट,नवीन राय, संजय चौरसिया,सुरेंद्र यादव,चंदन पाल,रौशन कुमार,शिल्पी सिंह, कन्हैया पांडेय,प्रकाश कुमार, गौतम डेमहफूज आलम,स्वीट चैरसिया,नीतीश चौरसिया,निकुंज धर्मे पंडे,शाहिद,विपिन कुमार, दिलशाद खान तथा 99 गुप की ओर से अमित रंजन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद थे।

नौकरी की दुकानदारी के आरोप पर गरजे देवेंद्रनाथ महतो, भर्ती सुधार को लेकर जेएलकेएम की हुंकार पारदर्शी हो नियुक्ति प्रक्रिया : देवेंद्रनाथ महतो

बब्बू खान

नवप्रदेश/लातेहार। जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध तथा भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जेएलकेएम कार्यकताओं ने गुरुवार को जिला मुख्यालय में ह्दभर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा निकाली। यात्रा जिला अध्क्ष निशांत यादव के नेतृत्व में माको डाक बंगला से शुरू हुई। कार्यकर्ता शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए



समाहरणालय के समीप पहुंचे। इस दौरान भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता

सुनिश्चित करने और छात्रों की मांगों का समाधान करने की मांग उठाई गई।

पपत्र-7 को लेकर

संयुक्त सर्वदलीय एकता मंच के नेतृत्व में हजारों मतदाता हुए शामिल, एसडीओ को सौंपा पांच सूत्री ज्ञापन

नवप्रदेश/महुआडांड (लातेहार) महुआडांड प्रखंड क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान कथित अनियमितता एवं धांधली के विरोध में गुरुवार को सर्वदलीय एकता मंच, महुआडांड के तत्वावधान में एक दिवसीय आक्रांश महारैली एवं धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। विभिन्न पंचायतों से ईसाई, मुस्लिम समेत बड़ी संख्या में मतदाता हाथों में तख्तियां लेकर रैली में शामिल हुए। रैली शहीद चौक से शुरू होकर शास्त्री चौक, बिरसा चौक व रामपुर चौक होते हुए अनुमंडल कार्यालय परिसर पहुंची, जहां सभा में तब्दील हो गयी। इस दौरान ह्मतदाता सूची से छेड़छाड़ करना बंद करोह और ह्ल्लोकतंत्र की यही पुकार, हर मतदाता का हो अधिकारह् जैसे नारे लगाये गये।

सभा की अध्यक्षता लॉरेंस कुजूर ने की। मंच का संचालन अजीत पाल कुजूर एवं तनवीर अहमद ने संयुक्त रूप से किया।

जिला कांग्रेस आदिवासी अध्यक्ष अजीत पाल कुजूर ने आरोप

समाहरणालय के समीप आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जेएलकेएम नेता देवेंद्रनाथ महतो ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है तथा सरकारी नियुक्ति प्रक्रियाओं में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने कहा कि रोजगार और अपने अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं पर दमनात्मक कार्रवाई करना उचित नहीं है।

देवेंद्रनाथ महतो ने तीखे अंदाज में सभा, सुनो जनता, आपकी दुकान में कपड़ा, जूता-चपल, चावल, दाल, सब्जी और फल बिकते होंगे, लेकिन अभय तिवारी की दुकान में नौकरी बिकती है। वहां बीडीओ, सीओ और पुलिस दारोगा बिकता है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने तथा परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं। सरकार को छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याओं और मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि भर्ती व्यवस्था में सुधार और परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित होने तक आंदोलन जारी रहेगा। यात्रा में जेएलकेएम के कार्यकर्ता एवं समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

महुआडांड में आक्रोश महारैली, निष्पक्ष जांच की मांग



लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से पपत्र-7 भरकर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहाड़कापु, अमवाटोली समेत अन्य क्षेत्रों में इस तरह के मामले सामने आये हैं। ऐसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी को कार्रवाई के लिए आवेदन दिया गया है। खजौमुद्दीन ने कहा कि कई ऐसे मतदाताओं के खिलाफ पपत्र-7 दिया जा रहा है, जो अपने स्थानीय पते पर रह रहे हैं। ऐसे आवेदनों की जांच कर फर्जी आवेदन देने वालों को चिन्हित करने हुए कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मनीना कुजूर ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर भी हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है तनवीर अहमद ने कहा कि हमें ऐसे लोगों से होशियार रहने की जरूरत है जो इस तरह की कृत्य कर रहे हैं, ताकि किसी पात्र मतदाता का नाम न कटे। शहजाद आलम ने कहा कि यह मामला पूरे झारखंड में हुआ है जो विशेष

एसडीओ ने कहा—शिकायतों की जांच जारी है

अनुमंडल पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी ने कहा कि पपत्र-7 से संबंधित शिकायतें मैनिका विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से प्राप्त हो रही हैं। इनकी जांच की जा रही है। यदि किसी मतदाता को

हरिहरगंज में 50 किलो अखाद्य रंग वाली मिटाई नष्ट, तंबाकू बिक्री पर जुमाना

खाद्य सुरक्षा विभाग का बाजार में जांच अभियान, विद्यालयों के आसपास कोटपन पर दुकानदारों पर कार्यवाई

नवप्रदेश संवाददाता
प्रतिनिधि, हरिहरगंज. आम लोगों को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग, पलामू की टीम ने गुरुवार को हरिहरगंज मुख्य बाजार में जांच अभियान चलाया. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, पलामू 1 लव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में चले अभियान के दौरान मिटाई दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, रख-रखाव और भंडारण व्यवस्था की जांच की गयी. साथ ही विद्यालयों के आसपास तंबाकू निवंत्रण अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के अनुपालन की भी जांच की गयी.

बस स्टैंड के समीप मुख्य बाजार स्थित बसंत बहार स्वीट्स, बिट्टू



मिष्ठान भंडार, भैया लाल मिष्ठान भंडार, शालीमार स्वीट्स सहित अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया. जांच के दौरान करीब 50 किलोग्राम अखाद्य रंग युक्त मिटाई पायी गयी. टीम ने ऐसी मिटाइयों को मौके पर ही नियमानुसार नष्ट कर दिया. खाद्य कारोबारियों को मिटाइयों में सिर्फ अनुमन्य खाद्य रंग का निर्धारित

बिक्री करने वाले दुकानदारों पर नियमानुसार जुमाना लगाया गया. दुकानदारों को विद्यालयों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं करने की सख्त हिदायत दी गयी. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता तथा बच्चों व विद्यार्थियों को तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों और बाजार क्षेत्रों में जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा. नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जायेगी. अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ललितता कुमारी, संजीव कुमार उपाध्याय व अभय शंकर तथा कार्यालय कर्मी राजु कुमार मौजूद थे.

पेपर लीक के विरोध में भाजपा का समाहरणालय घेराव, सीबीआई जांच की मांग

नवप्रदेश/गुमला। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली, प्रश्नपत्र लीक तथा छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों के विरोध में भाजपा ने बुधवार को गुमला में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सागर उरांव के नेतृत्व में पूर्वाह्न 11 बजे लोहरदगा रोड स्थित चंदाली चौक से कार्यकताओं ने विरोध मार्च निकाला और समाहरणालय पहुंचकर उपायुक्त कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं ने उपायुक्त दिलेश्वर महतो को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच करने तथा आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग की। भाजपा नेताओं ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित लाठीचार्ज का भी विरोध किया। भाजपा नेता देवेंद्र लाल उरांव ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज



और प्राथमिकी दर्ज करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने सरकार पर बाहरी लोगों को बढ़ावा देने तथा परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

अनिल यादव ने कहा कि सरकार छात्रों की समस्याओं को अनदेखी कर रही है। वहीं पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता समीर उरांव ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार स्थानीय युवाओं के हितों की अनदेखी कर रही है और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जा रही है। भाजपा ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। इनमें छात्र

आंदोलन के दौरान दर्ज सभी प्राथमिकी वापस लेना, रह एवं स्थगित परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराना तथा कथित रूप से दोषी सभी लोगों के खिलाफ समान कार्रवाई करना शामिल है। पार्टी ने आयोग के अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद संबंधित सदस्यों और पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग की। समाहरणालय घेराव कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत, कमलेश उरांव, मुनेश्वर साहू समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हथियार बनाने के सामान के साथ लेथ मशीन बरामद, एक गिरफ्तार

नवप्रदेश/दुमका। वरीय पदाधिकारी से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने 9 सितंबर को हंसडीहा प्रभाग के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और अन्य सामान बरामद किए। पुलिस ने रामगढ़ मोड़ स्थित पीताम्बर लाइन होटल के समीप मौजा सिलटा में एक पक्के मकान में छापेमारी कर दो अलग-अलग



कमरों से लेथ मशीन, मिलिंग मशीन, ड्रिल मशीन, वेल्डिंग मशीन, कटिंग मशीन, मोटर, लोहे के विभिन्न ब्लॉक, ड्रिल बिट और पिस्टल के पुजेनुमा लोहे के कटे हुए हिस्सों समेत कुल 55 प्रकार के सामान जब्त किए। छापेमारी पुलिस निरीक्षक हंसडीहा प्रभाग प्रियंका आनंद के नेतृत्व में की गई। टीम में हंसडीहा थाना प्रभारी अजीत कुमार यादव, जामा

थाना प्रभारी अजीत कुमार, रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक दिलीप हांसदा, जिला तकनीकी शाखा के कर्मी तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस के अनुसार बरामद सामानों में पिस्टल की स्लाइड, प्रिप, बैरल और मैगजीन के आकार के लोहे के कटे हुए हिस्से भी शामिल हैं। इसके अलावा हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाली लेथ

मशीन समेत कई मशीनें और औजार बरामद किए गए हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने अक्षय कुमार (करीब 25 वर्ष), पिता दीपक मरिक, को उसके घर से गिरफ्तार किया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अरन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

एक नजर

एसपी कुमार गौरव ने बालूमाथ पुलिस निरीक्षक कार्यालय का किया निरीक्षण



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने गुरुवार को बालूमाथ पुलिस निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विधि-व्यवस्था एवं पुलिसिंग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लॉबित मामलों, अपराध नियंत्रण, वारंट एवं कुर्की-जब्तों से संबंधित मामलों तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, नियमित गश्ती बढ़ाने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। एसपी ने आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करने तथा कानून-व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की बात कही। उन्होंने थाना क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस पदाधिकारियों को सतर्कता के साथ कार्य करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बालूमाथ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी उमेश प्रसाद सिंह पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा सहाक अवर निरीक्षक तारिक रहमान सहित कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगर भगवती उग्रतारा मंदिर में व्यवस्था

सुरक्षा को लेकर अहम निर्णय



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर गांव स्थित प्रसिद्ध नगर भगवती उग्रतारा मंदिर में व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर गुरुवार को महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। एसडीएम लातेहार एवं डीएसपी लातेहार की मौजूदगी में मंदिर से जुड़े पाठक परिवार, मिश्रा परिवार, पाहन परिवार एवं शाही परिवार के सदस्यों ने आपसी सहमति से मंदिर की व्यवस्था को लेकर कई अहम निर्णय लिए। निर्णय के अनुसार अब मंदिर में बकरा बलि के बाद निकलने वाला मुंडी प्रसाद मंदिर परिसर में नहीं रखा जाएगा। जिस भक्त द्वारा बकरा बलि दी जाएगी, मुंडी प्रसाद उसी भक्त को सौंप दिया जाएगा। इससे मंदिर परिसर में मुंडी प्रसाद के रखे जाने से होने वाली असुविधा एवं व्यवस्था संबंधी समस्याओं से बचाव होगा। वहीं, मंदिर परिसर में लगावार हो रही दान पेटी चोरी की घटनाओं को देखते हुए दान पेटी को भी मंदिर परिसर से हटाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में कहा गया कि रात के समय मंदिर में रहने वाले पाहन, रात्रि सेवक एवं प्रहरी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा मंदिर परिसर में जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके, इसके लिए यह कदम उठाया जा रहा है। मंदिर से जुड़े परिवारों ने कहा कि सभी निर्णय आपसी सहमति से मंदिर की सुरक्षा, स्वच्छता, व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं।

लड़की को भगाने के आरोप में युवक पर

प्राथमिकी, तलाश में जुटी पुलिस

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज/हरिहरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से लड़की के लापता होने के मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है . परिजनों की शिकायत पर हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के कचरा गांव निवासी प्रवेश राम के 25 वर्षीय पुत्र मुन्ना कुमार रवि को आरोपी बनाया गया है . हरिहरगंज पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोंहार ने बताया कि बुधवार को लड़की के लापता होने की सूचना मिली थी . इसके बाद परिजनों के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है . पुलिस लड़की की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है . परिजनों ने शिकायत में आरोप लगाया है कि युवक लड़की को बहला-कूसलाकर अपने साथ ले गया है . साथ ही घर से करीब 1.50 लाख रुपये के जेवर-आभूषण और 20 हजार रुपये नकद ले जाने का भी आरोप लगाया गया है . पुलिस मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कर रही है . थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस लड़की की तलाश के साथ आरोपी युवक के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है . पुलिस के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी .

नाली सफाई के साथ डोमवांच बाजार को जाम से मुक्ति की कवायद

नवप्रदेश/डोमवांच। बाजार में नाली जाम और सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए नगर प्रशासन ने व्यवस्था सुधारने की पहल शुरू कर दी है। नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा के नेतृत्व में बाजार के विभिन्न हिस्सों में जाम नालियों की सफाई कराई गई। टूटे व गायब नाली ढक्कनों को भी दुरुस्त कराय जा रहा है। बाजार रोड के निरीक्षण के दौरान दुकानदारों से लोह की रेलिंग के अंदर ही दुकान लगाने की अपील की गई। सड़क पर सच्ची . फल की दुकान लगाने से जाम की स्थिति बनती है। छेटे सच्ची विक्रेताओं के लिए बनाए गए शेड का उपयोग करने को कहा गया। नगर अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि फिलहाल सहयोग की अपील की जा रही है, लेकिन नियमों की अनदेखी कर सड़क पर अतिक्रमण करने वालों पर आगे जुमाना और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मौके पर नगर उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज, रंजीत साव, नगर प्रबंधक के साथ अन्य मौजूद थे।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन (स्वायत) में सात

दिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिवस संपन्न हुआ

नवप्रदेश/कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन (स्वायत) झुमरी तिलैया में राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई. 1 के तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन के प्रथम सत्र का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा, महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका विनीता कुमारी एवं सतदार वल्लभभाई पटेल समूह के सभी स्वयंसेवकों के द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेलजी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत एवं स्वयंसेविका पूजा कुमारी के द्वारा सभी स्वयंसेवकों को प्रणायाम, अनुलोम-विलोम एवं विभिन्न योगासनो का अभ्यास करया गया। इसके उपरंत सरदार वल्लभभाई पटेल के सदस्यों ने महाविद्यालय के द्वार गोद लिए गांव इंटरवाटंड में नशामुक्त जागरूकता रैली निकाली एवं ग्रामीणों को नशा छोड़ने का संदेश दिया। सभी स्वयंसेवकों ने उक्तप्रति प्रथमिक विद्यालय, इंटरवाटंड में विद्यालय के बच्चों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया और बच्चों के बीच पुरस्कार एवं चॉकलेट का वितरण किया, इसके साथ ही बच्चों को शौच के बाद और भोजन करने के पहले हाथ को अच्छे तरीके से धोने के लिए हैंडवॉश से हाथ धुलाकर प्रेरित किया। और स्वच्छता का संदेश दिया तत्पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने सरदार वल्लभभाई पटेल हाउस के स्वयंसेवकों के द्वार बनाए गए भोजन का सामूहिक रूप से आनंद लिया। शिविर के द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने इंटरवाटंड गांव में डेर टू डेर जाकर सर्वेक्षण किया। सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन का समापन स्वयंसेवकों के सामूहिक चाय एवं अल्पाहार के साथ हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी महाविद्यालय महाविद्यालय सौरभ शर्मा जी के देखरेख में संपन्न हुआ। शिविर में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका विनीता कुमारी एवं समस्त प्राध्यापक और स्वयंसेवक उपस्थित थे।

संपादकीय



चीनी राष्ट्रपति के दौरे के मायने

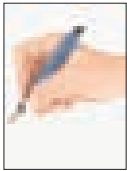
गलवान की खुनी झड़प के छह वर्ष बाद यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग के बीच औपचारिक द्विपक्षीय बातचीत होती है तो इसे महज एक शिष्टाचार मुलाकात मानना भूल होंगी। यह मुलाकात भारत-चीन संबंधों की दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हो सकती है। लंबे तनाव के बाद दोनों देशों के बीच संवाद की संभावना बनी है, लेकिन भारत को इस अवसर पर उत्साह से ज्यादा सतर्कता दिखानी होगी। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख में मोदी-जिनपिंग भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प ने दोनों देशों के संबंधों को सबसे कठिन दौर में पहुंचा दिया था। सीमा पर तनाव का असर राजनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक रिश्तों पर भी पड़ा। इसके बाद सैन्य कमांडरों और राजनयिकों के बीच कई दौर की बातचीत हुई। कुछ तनाव वाले क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी भी हुई। यह निश्चित रूप से सकारात्मक कदम है, लेकिन इसे सीमा विवाद के समाधान का प्रमाण नहीं माना जा सकता। नई दिल्ली में मोदी-जिनपिंग वार्ता होती है तो भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सीमा पर स्थायी शांति और वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति होगी। चीन के साथ संबंध सामान्य करने की कोई भी कोशिश तभी सार्थक होगी, जब सीमा पर भरोसा बहाल हो। व्यापार और आर्थिक सहयोग जरूरी है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर आर्थिक संबंधों को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। पिछले अनुभव ने यह स्पष्ट किया है कि चीन के साथ संबंधों में आर्थिक हित और रणनीतिक सतर्कता दोनों को साथ लेकर चलना होगा। भारत के लिए चीन से संवाद बंद करना विकल्प नहीं है। दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक राजनीति में शक्ति-संतुलन नए सिरे से बन रहा है। ऐसे समय में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति अपनानी होगी। चीन के साथ बातचीत का अर्थ कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी शक्तों पर संवाद करने की क्षमता है। आवश्यकता इस बात की है कि बातचीत में स्पष्टता हो और उसके परिणाम जमीन पर दिखाई दें। अरुणाचल प्रदेश का विवाद भी भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। चीन के दावे को भारत पहले ही स्पष्ट रूप से खारिज कर चुका है। इसलिए सीमा संबंधी मुद्दों को केवल बयानबाजी के स्तर पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान की दिशा में ले जाना होगा। सीमा पर शांति के बिना द्विपक्षीय संबंधों में वास्तविक सामान्य स्थिति संभव नहीं है। ब्रिक्स सम्मेलन इस मुलाकात को व्यापक वैश्विक संदर्भ भी देता है। भारत की अध्यक्षता में होने वाला सम्मेलन वैश्विक दक्षिण की भूमिका मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की मौजूदगी और सुरक्षा परिषद में सुधार का मुद्दा भारत को अपनी वैश्विक प्राथमिकताएं सामने रखने का अवसर देगा। बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका को भी इससे बल मिल सकता है। शी जिनापिंग का भारत दौरा इसलिए अवसर भी है और चुनौती भी। दोनों देशों से तनाव घटाने और संबंधों को स्थिर करने का रास्ता खुल सकता है, लेकिन गलवान की स्मृति भारत को सावधान रहने की सीख देती है। भारत को हाथ मिलाने में संकोच नहीं होना चाहिए, पर अपनी सीमाओं की सुरक्षा में किसी प्रकार की टिकाई भी नहीं होनी चाहिए। शांति की पहल स्वागतयोग्य है, लेकिन शांति तभी टिकाऊ होगी, जब उसके पीछे विश्वास, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हितों की मजबूत जमीन हो।

मुद्दा-लघु कथा

जल बचाने की मुहिम में जनभागीदारी जरूरी

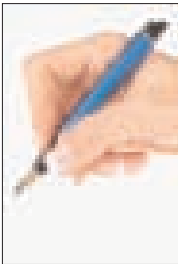
डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में पानी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कई इलाकों में भूजल स्तर नीचे जा रहा है, तालाब और कुएं सूख रहे हैं तथा खेती और पीने के पानी के लिए भूजल पर निर्भरता बढ़ रही है। ऐसे समय में पानी बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं हो सकती। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। इसी सोच के साथ हाजल संघय जन भागीदारीद्ध अभियान शुरू किया गया है। 6 सितंबर 2024 को शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को बचाना, भूजल स्तर बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर पानी के स्रोतों को मजबूत करना है। इसके तहत कम खर्च में जल संरक्षण की संरचनाएं बनाने, पुराने और बंद पड़े नलकूपों को फिर से उपयोगी बनाने तथा स्थानीय जरूरत के अनुसार जल संरक्षण के उपाय करने पर जोर दिया जा रहा है। इस अभियान की खास बात यह है कि इसमें सरकार के साथ आम जनता, पंचायतें, सामाजिक संगठन और कंपनियां भी जुड़ सकती हैं। इसका आधार तीन हस्तौल हैं- समुदाय, कंपनियों का सामाजिक दायित्व और लागत। यानी समुदाय की भागीदारी, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी और कम खर्च में जल संरक्षण। इससे जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बल्कर जन-अभियान बनाने की कोशिश की जा रही है। इस दिशा में बड़ी संख्या में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं। पहले चरण के तहत मई 2025 तक देश में 27 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इसके बाद जून 2025 में दूसरा चरण शुरू किया गया। मई 2026 तक डेढ़ करोड़ से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जा चुकी थीं। 3 सितंबर 2026 तक यह संख्या एक करोड़ 58 लाख से अधिक हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि देश में जल संरक्षण को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। केवल संरचनाएं बना देना काफी नहीं है। उनका सही स्थान पर बनना, नियमित रखरखाव और सही उपयोग भी जरूरी है। यदि बारिश का पानी इन संरचनाओं तक पहुंचे ही नहीं या कुछ वर्षों बाद वे मिट्टी और कचरे से भर जाएं तो उनका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसलिए स्थानीय लोगों को इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। भारत में पानी बचाने की परंपरा पहले से रही है। गांवों में तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और छोटे बांध लोगों की जरूरत पूरी करते थे। हरियाणा और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में आज भी पुराने जल स्रोत इसकी याद दिलाते हैं। आधुनिक विकास के दौरान हमने इन स्रोतों की उपेक्षा की और भूजल का जलरत से ज्यादा इस्तेमाल शुरू कर दिया। अब समय है कि पुरानी समझ को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जाए। इसी उद्देश्य से जल संघय जन भागीदारी को हाइवॉ जल संचयनद्ध अभियान से भी जोड़ा गया है। जून 2026 में इसे हाइवॉल शक्ति अभियान—वर्षा जल संचयनद्ध के साथ मिलाकर नया रूप दिया गया। इसका सीधा संदेश है— बारिश की हर बूंद को व्यर्थ बहने से रोकना और उसे जमीन में पहुंचाना। जल संकट का एक बड़ा कारण खेती में पानी का अक्रििक इस्तेमाल भी है। कई किसान ऐसी फसलें उगाते हैं जिनमें बहुत अधिक पानी लगता है। भूजल निकालने के लिए लगातार नलकूप चलाए जाते हैं। इससे जमीन के नीचे का पानी तेजी से कम होता है। इसलिए पानी बचाने के लिए फसल विविधता, बूंद-बूंद सिंचाई, फुहार सिंचाई और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है। जल संरक्षण में ग्राम पंचायतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। हर गांव अपना हाजल बटलद्ध तैयार कर सकता है। इसमें यह देखा जाए कि गांव में सालभर में कितना पानी आता है, कितना पानी खेती और घरों में खर्च होता है और कितना पानी जमीन में वापस पहुंचाया जा सकता है। इससे लोगों को अपने क्षेत्र में पानी की वास्तविक स्थिति समझने में मदद मिलेगी।



मनोज कुमार सिंह

उनकी प्रमुख कृतियों में नई रिफॉर्मर या नवीन सुधारक (1911), धर्म की दूरी (1952), अपना-पराया (1953) और नजर बदली, बदल गए नजारे (1961) जैसे नाटक शामिल हैं। कथा-साहित्य में पुष्पांजलि, नवजीवन, तरंग, माया मिली न राम, मॉडर्न कौन, सुंदर कौन, अपनी अपनी नजर और अपनी अपनी डगर उल्लेखनीय हैं।



आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

साहित्यिक परिवार से इलाहाबाद में आनेवाले साहित्यकारों के लिए तो उनका निवास 'घर'- जैसा ही था; किन्तु अन्य अतिथियों के लिए भी उनका द्वार मुक्त रूप से खुला ही रहता था। मैथिलीशरण गुप्त ने कहा था, मेरी प्रयाग-यात्रा केवल संगम-स्नान से पूरी नहीं होती; उसको सर्वथा सार्थक बनाने के लिए मुझे सरस्वती (महादेवी) के दर्शन के लिए प्रयाग महिला विद्यापीठ जाना पड़ता है। संगम में कुछ फूल-अक्षत चढ़ाना पड़ता है।



डॉ रवीन्द्र कुमार

सियासतदान सियासत करते रहे हैं, करते रहेंगे। मगर आम जन यहाँ भी, वहाँ भी एक से हैं। उनके गम एक हैं, उनकी खुशियाँ एक हैं और तो और उनके मसाइल एक हैं। हम अंग्रेजों की डिवाइड एंड रूल को अब तक ढोते आ रहे हैं। अन्यथा सोचिए उस एकीकृत इंडिया की ताकत दुनिया में क्या होती।

अभिव्यक्ति

साहित्य की एकान्त साधिका थीं महीयसी महादेवी वर्मा

एक हठधर्मी और मुखर कवयित्री का आज

निधन-दिनांक है; क्योंकि 11 सितम्बर, 1987 ई० को महीयसी महादेवी वर्मा जी का इलाहाबाद (वर्तमान में प्रयागराज) में शरीरान्त हो गया था, जो उनकी कर्मभूमि थी। जहाँ तक उनकी जन्मभूमि का विषय है तो उनका जन्म 26 मार्च, 1907 ई० को संयुक्त प्रान्त आगरा-अवध के फर्रुख़ाबाद में हुआ था। बताया जाता है कि उनके परिवार में दो सौ वर्ष किसी कन्या का जन्म हुआ था; यानी सात पीढ़ियों के बाद। उनके बाबा बाबू बंकिवहारी उस कन्यारत्न की प्राप्ति से इतने उत्फुल्ल हुए थे कि उन्होंने उसका नामकरण 'महादेवी' कर दिया था। उस कन्या के पिता गोविन्दप्रसाद वर्मा और माता हेमरानी देवी ने यशशक्य लालन-पालन किया। पिता एक अध्यापक थे, जबकि माँ धर्मपरायण गृहिणी और विदुषी थीं।

वे हिन्दी और संस्कृत-भाषाओं की जानकार थीं। यद्यपि उनका बाल विवाह स्वरूपनारायण वर्मा के साथ हुआ था तथापि उन्होंने आजीवन एक 'अविवाहिता' के रूप मे जीवन-यापन किया था और आजीवन श्वेत-वस्त्रा रहीं। उन्होंने अपने पति से पुनर्विवाह करने के लिए आग्रह भी किया था; परन्तु उन्हें सफलता नहीं मिल पायी। उनके भीतर एक आक्रोश था, हठधर्मिता थी और थी उन्मुक्त वैचारिक विचरण के विरुद्ध खड़ी की गयी वर्ज्य दीवारों को चुनौती देनेवाली प्रतिकार की मनः दशा। वे सुशिक्षिता के रूप में समाज के सम्मुख स्वयं को प्रस्तुत करना चाहती थीं। वे बालपन से ही सामाजिक व्यवस्था के अत्याचार, विशेषतः नारी-उत्पीड़न को निकट से देखती आ रही थीं, इसलिए 'वैवाहिक सम्बन्ध' के प्रति उनका मोहभंग हो चुका था। वे अपनी अनन्य सखी 'कविता-कामिनी' को साथ लेकर अपने जीवन का सारस्वत श्रृंगार करने की अभिलाषा थीं। उनकी वेदना में जिस अनुभूति की गहनता का दर्शन होता है, उसमे उनकी व्यक्तिगत पीड़ा, करुणा तथा उद्दिनता का स्वर मुखरित होता है।

शिक्षाग्रहण के प्रति उनमें अतिरिहत इच्छा और आकांक्षा थी। उनका हिन्दी के प्रति अनुराग कितना व्यापक था, इसका ज्ञान और भान तब होता है जब उन्होंने किसी कान्छेपट स्कूल में अपने प्रवेश को लेकर अपना खुला विरोध प्रकट किया था, जिसके कारण इलाहाबाद मे बाई का बाग-मुहल्ले में 'ग्रेण्ड ट्रैंक रोड' (जीटी रोड) के मुख्य मार्ग पर स्थित क्रॉस्थेवेट स्कूल में उन्हें प्रवेश कराया गया गया था। प्रवेश



पाने के बाद महादेवी की साहित्य-साधना अबाध्य गति में चलती रही। वहाँ वे छात्रावास में रहती थीं। वहाँ समाज के हर सम्प्रदाय, जाति, वर्गादिक की छात्राएँ रहती थीं, जिनमें पारस्परिक एकता था; सब सीहार्दपूर्ण वातावरण में रहती थीं। वे सब देख-समझकर बालिका महादेवी के भीतर का एकान्त छँटता रहा। सुभद्रा कुमारी चौहान से उनकी भेंट उसी विद्यालय में हुई थी, तब महादेवी जी पाँचवीं और सुभद्रा जी सातवीं कक्षा में पढ़ती थीं। मिडिल स्कूल में अध्ययन से पूर्व ही महादेवी जी का ध्यान बाह्य जीवन के दुःख की ओर गया और तभी से 'अबला', 'विधवा' आदिक शीर्षक से शब्दचित्र स्थान पा चुके थे। स्कूल के छात्रावास में महादेवी जी बहुत कम बोलती थीं। वे गुमसुम बैठी अध्ययन करती रहती थीं और अवकाश मिलने पर रचनाधर्मिता के साथ जुड़ जाती थीं।

हिन्दी-साहित्य के प्रसिद्ध कवि श्रीधर पाठक की पुत्री ललिता पाठक के साथ उनका विशेष लगाव था। स्कूल में उनका जीवन 'बाल भगतिन'-जैसा था। वे अपनी इसी संकुचन की प्रवृत्ति के कारण कवि-सम्मेलनों मे अधिक भाग नहीं ले पाती थीं। विद्यापीठ और घर में बाहरी-भीतरी क्षेत्र की सीमाएँ रहीं। रचना-स्तर पर वे और सुभद्रा एकसाथ रहती थीं। उन्होंने लिखा था, जब बाकी बच्चे बाहर खेलते थे, तब मैं और सुभद्रा पेड़ पर बैठकर अपने रचनात्मक विचारों को एक साथ बैठकर व्यक्त करते थे... वह खड़ीबोली मे लिखती थीं और जल्द ही मैंने भी खड़ीबोली में लिखना शुरू कर दिया... इस तरह हम हर दिन एक या दो कविताएँ लिख लेते थे..." उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय स्नातक और संस्कृत-साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधियाँ अर्जित की थीं। वे इलाहाबाद से प्रकाशित क्रान्तिकारी पत्रिका

पुस्तक समीक्षा: 1947 विभाजन के शेष सवाल विभाजन की त्रासदी का दस्तावेज

विवेक शुक्ला की नवीनतम पुस्तक 1947 विभाजन के शेष सवाल मात्र एक पुस्तक नहीं बल्कि अपने दौर का एक दस्तावेज है। त्रासदी और मानव इतिहास में इतनी बड़ी तादाद में दोनों तरफ के लोगों के जीवन में झंझावात, जबरन, डर, स्वेच्छा से स्थान परिवर्तन दूसरा नहीं दिखता। कितने ही परिवार बरबाद हुए। कितने ही परिवार उस त्रासदी से कभी उबर ही नहीं पाये। हम अक्सर या तो सक्सेस स्टोरीज सुनते हैं या फिर इस बात पर विनोद करते हैं कि वहाँ से जो भी आया वो यही कहता है कि वहाँ हम महल में रहते थे, सोना-चाँदी भरपूर था। सच्चाई इन दोनों के बीच में कहीं है। अब उनके पास खोने को कुछ नहीं था उन्होंने दिन-रात मेहनत कर और अपनी कुशाग्र बुद्धि से अपने-अपने व्यवसाय को चमकाया।

विवेक शुक्ला ने इस विभाजन की त्रासदी के सेक्ट्रम से तरह-तरह के रंग उठाए हैं। भले वे राजनीति के क्षेत्र के हों। व्यवसायी हों। आम परिश्रमी लोग हों। फिल्म स्टार हों। कैसे उन्होंने तिनका-तिनका कर अपने नशेमन को फिर बसाया-बनाया। विभाजन के चलते उसके दुष्परिणाम सभी क्षेत्र में दिखाई दिये। अफसोस! मुंबई के फिल्म जगत का लॉस पाकिस्तान का गेन नहीं बन सका। जो भी लोग वहाँ सुनहरे सपने लेकर गए वे निराश ही हुए और गुमनामी के अंधेरे में खो गए। जबकि मुंबई का फिल्म जगत तरक्की करता गया। इसमें बहुत बड़ा हाथ वहाँ की शासन व्यवस्था और धार्मिक मान्यताओं का भी रहा।



कहने को कायदे-आजम ने सेकुलर और सभी धर्मों के इबादत की बात अपने भाषण में कही किन्तु ऐसा हो न सका। गांधीजी और जिन्ना दोनों ही 1948 में इस दुनिया को अलविदा कह गए। इसी प्रकार व्यवसाय और नौकरी आदि के जो अवसर हिंदुस्तान फराहम करा पाया वह पाकिस्तान न कर सका। अँग्रेजी में कहावत है दू कैन नॉट लिंव ऑन लव एंड फ्रेश एयर एलोन। उसी तरह शासन चलाने को एक विजन चाहिए, बहुत परिपक्व योजना चाहिए। राष्ट्र निर्माण का जज्बा चाहिए। जिस

प्रकार का मिलिटरी और धार्मिक उन्माद सरहद पार देखने को मिलता है उससे यही लगता रहा कि वे मुल्क तरक्की कब करेगा और अपने लोगों को कब वो सब दे पाएगा जिसकी तलाश में वे सैकड़ों मील दूर चल कर पहुंचे थे। मुनक्कर राना अपनी किताब मुहाजिर में लिखते हैं:

'मुहाजिर हैं मगर हम एक दुनिया छोड़ आए हैं। तुम्हारे पास जितना है, हम उतना छोड़ आए हैं।

जैसा कि विवेक शुक्ला ने भी उल्लेख किया है आमजन दोनों तरफ का अपने को कितनी

प्रस्तुत करती थीं, वह मन को मुध कर लेता था। यही कारण है कि उनके सर्जन में परमात्मा और प्रकृति (निसर्ग) के प्रति प्रेम का जो निदर्शन प्राप्त होता है, वह दुर्लभ है। महादेवी जी विविध आयोजनों में जीवन पक्ष, सामाजिक पक्ष, सामाजिक प्रतिक्रिया तथा सामाजिक मूल्यों आदिक विषयों पर विशद (सुस्पष्ट) और विस्तृत (बृहद्) चर्चा करती थीं। यह एक अलग विषय है कि वे नितान्त अन्तमुखी थीं; विरोध को जीती आ रही थीं और प्रतिकार करने की क्षमता भी विकसित कर लेती थीं। ऐसा नहीं देखा गया कि वे समकालीन साहित्यकारों में इतनी घुली-मिली रही हों अथवा घुल-मिल जाती रही हों। हाँ, वे सभी का समादर करती थीं। यही कारण है कि जब भी कोई बाहर का साहित्यकार इलाहाबाद आता था, वह महादेवी जी से मिलने की अभिलाषा को प्राथमिकता देता था। इलाहाबाद के सभी प्रसिद्ध साहित्यकार उनसे भेंटकर, तत्कालीन काव्य-परिदृश्य पर संवाद-परिसंवाद अवश्य करते थे; उनसे दिशा-निर्देश की चाह रहते हुए, मिलनेवाले साहित्यकार-लेखक, कवि-कवयित्री, पत्रकार, समीक्षक आदिक उनकी ओर से कभी निराश नहीं होते थे। इलाहाबाद-स्थित अशोकनगर नामक मुहल्ले मे उनका निवास 'साहित्यकार-संसद' के रूप में विख्यात रहा। निराला जी की भोंति वे भी किसी साहित्यकार का अपमान 'स्वयं' का अपमान समझती थीं। आर्थिक परिस्थिति से विक्षिप्त निराला जी को महल में रखने का उनका स्वन 'साहित्यकार- संसद'-निर्माण से पूर्ण हुआ था। यह अलग बात है कि 'साहित्यकार-संसद' वर्तमान में 'विवाद' का विषय बना हुआ है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसका निर्माण कराया गया था, वह अब पूरी तरह से इलाहाबाद और बाहर के साहित्यकारों को खुला अँटुठा दिखा रहा है। उस ट्रस्ट की सम्पत्ति को कुछ लोग अपनी सम्पदा मानकर स्वेच्छाचारिता का परिचय दे रहे हैं और स्वयं को साहित्यकार-कवि माननेवाले लोग 'गांधी जी के तीन बन्दर' का चरित्र जीते आ रहे हैं।

बहरहाल, महीयसी महादेवी वर्मा ने अपनी साप्सस्वत लेखनी से इलाहाबाद-सहित शेष भारत को शब्दधर्मिता का जो गुण-धर्म दिया है, वह कविता, कहानी, शब्दचित्र, निबन्ध इत्यादिक विषयों के रूप में अमरत्व को प्राप्त कर चुका है।

(लेखक, जाने-माने व्याकरणवेत्ता एवं भाषाविज्ञानी हैं।)

विभाजन के शेष सवाल विभाजन की त्रासदी का दस्तावेज

ही चीजों में कॉमन पाता है। रीति रिवाज, भोजन, भाषा, कहावतें, पहनावा, सिंगार। इसी की नुमायान्दगी करते रहे हैं। मुशावरें, जलक कंसर्ट, मगर जब हवा ही जहरीली हो तो कुछ पनप नहीं पाता। जनाब जिगर मुरादाबादी साब का कलाम है: उनका जो फर्ज है वो अहल-ए-सियासत जानें मेरा पैगाम मोहब्बत है जहाँ तक पहुँचे

मैं विवेक शुक्ला की किताब 1947 विभाजन के शेष सवाल को उसी दिशा में एक कदम मानता हूँ। सियासतदान सियासत करते रहे हैं, करते रहेंगे। मगर आम जन यहाँ भी, वहाँ भी एक से हैं। उनके गम एक हैं, उनकी खुशियाँ एक हैं और तो और उनके मसाइल एक हैं। हम अँग्रेजों की डिवाइड एंड रूल को अब तक ढोते आ रहे हैं। अन्यथा सोचिए उस एकीकृत इंडिया की ताकत दुनिया में क्या होती।

184 पृष्ठों की यह पुस्तक प्रवासी प्रेम पब्लिशिंग इंडिया ने प्रकाशित की है। छपाई बहुत सुंदर है। कीमत 390/- है। पूफ रीडिंग वर्ड क्लास (बोले तो व्रुटिहीन है, आजकल वर्ड क्लास कहने का रिवाज चल निकला है) है। यह एक संग्रहणीय पुस्तक है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, यह उस दौर की और उसके बाद के हालातों का मात्र लेखा-जोखा नहीं बल्कि एक दस्तावेज है उस दौर का और उसके बाद की जिंदगियों का।

(लेखक, जाने-माने कवि हैं।)

साहित्याकाश के दीप्तिमान नक्षत्र थे शैली सम्राट राजा राधिका रमण प्र सिंह

के व्यक्ति थे और ह्दकुमारद्ध उपनाम से ब्रजभाषा में काव्य रचना करते थे।

पिता की मृत्यु के बाद बदल गई जीवन की दिशा

1903 में पिता का आकस्मिक निधन हो गया। इसके बाद उनकी रियासत कोर्ट ऑफ वाट्स के अधीन चली गई। शाहाबाद के तत्कालीन कलेक्टर के संरक्षण में उनकी शिक्षा आगे बढ़ी। पहले आरा जिला स्कूल में उनका दाखिला कराया गया और बाद में उन्हें उच्च शिक्षा के लिए कोलकाता भेजा गया। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज से एफए किया। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए और कोलकाता विश्वविद्यालय से इतिहास में एमए की शिक्षा पूरी की। विद्यार्थी जीवन में ही उनका साहित्यिक व्यक्तित्व आकार लेने लगा था। उन्होंने ब्रजभाषा में कविता लिखना आरंभ कर दिया था। उनकी पहली रचित कहानी ह्दकानों में कंगनाह हिंदी साहित्य में प्रकाशित हुई और वहीं से उनके कथा-साहित्य की विशिष्ट यात्रा शुरू हुई।

1917 में रियासत के बने स्वामी

वर्ष 1917 में बालिंग होने के बाद उनकी रियासत कोर्ट ऑफ वाट्स के नियंत्रण से मुक्त हुई और वे उसके स्वामी बने। लगभग 1920 के आसपास अंग्रेजी



सरकार ने उन्हें ह्दराजाह्द की उपाधि से विभूषित किया। इसके बाद भी उनका जीवन केवल राजसी वैभव तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने साहित्य और सार्वजनिक जीवन दोनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

बिहार प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के

बनाया गया।

साहित्य साधना को बनाया जीवन का ध्येय

राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की रचनाओं में सामाजिक जीवन, मानवीय संवेदना, प्रेम, संबंध, नैतिक द्वंद और बदलते समय की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। उनका साहित्य केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक को जीवन और समाज के प्रश्नों से भी जोड़ता है। उनकी प्रमुख कृतियों में, नई रिफॉर्मर या नवीन सुधारक (1911), धर्म की दूरी (1952), अपना-पराया (1953) और नजर बदली, बदल गए नजारे (1961) जैसे नाटक शामिल हैं। कथा-साहित्य में पुष्पांजलि, नवजीवन, तरंग, माया मिली न राम, मॉडर्न कौन, सुंदर कौन, अपनी अपनी नजर और अपनी अपनी डगर उल्लेखनीय हैं।

उनके प्रमुख उपन्यासों में राम-रहीम (1936), पुरुष और नारी (1939), सूरदास (1942), संस्कार (1944), पूर्व और पश्चिम (1951) तथा ह्दचुंबन और चाटा (1957) शामिल हैं।

सम्मान से अलंकृत हुआ साहित्यिक जीवन

स्वतंत्रता के बाद राजा साहब पटना में रहने लगे और स्वयं को पूरी तरह साहित्य

साधना में समर्पित कर दिया। हिंदी भाषा और साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया। बाद के वर्षों में भी उन्हें साहित्यिक सम्मान मिलते रहे। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ने उन्हें डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट.) की मानद उपाधि से सम्मानित किया। प्रयाग हिंदी साहित्य सम्मेलन ने उन्हें ह्दसाहित्य वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत किया। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के अधिस्टंट प्रोफेसर डॉ. मुकेश राम के अनुसार, वर्ष 2021 से राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की दरिद्र नारायण और कानों में कंगना को पाठ्यक्रम में शामिल कर विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। यह उनके साहित्य की प्रासंगिकता और स्थायी प्रभाव का प्रमाण है।

25 मार्च 1971 को शैली सम्राट राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह इस संसार से विदा हो गए। लेकिन उनकी रचनाएं आज भी हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा में जीवित हैं। सूर्यपुरा की धरती से उठकर साहित्याकाश में चमकने वाला यह नक्षत्र भले ही भौतिक रूप से अस्त हो गया, लेकिन उनकी साहित्यिक आभा आज भी पाठकों और शोधार्थियों का मार्ग आलोकित कर रही है।

गिरिडीह का प्रथम जिला शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान-2026 शिक्षक संजीव कुमार को मिला, विद्यालय परिवार गौरवावित

प्रसंग - सम्मान की

राशि 150000 -/

विद्यालय के शैक्षणिक

गतिविधियों में व्यय

करने की घोषणा

शिक्षक संजीव कुमार

ने की ’

नवप्रदेश/गिरिडीह। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सदर प्रखंड गिरिडीह के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित पीएम श्री उत्कर्मित उच्च विद्यालय



धनयडीह, गिरिडीह के नोडल शिक्षक संजीव कुमार को गिरिडीह जिले का प्रथम जिला शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। स्कूली शिक्षा

एवं साक्षरता विभाग , झारखंड सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए जिला से अनुशंसित शिक्षक संजीव कुमार के उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान में शिक्षक

दिवस के अवसर पर गिरिडीह जिला शिक्षक सम्मान समारोह डायट , बगोदर , गिरिडीह में आयोजित कर उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल एवं 15,000/-

की सम्मान राशि प्रदान की गई। शिक्षक संजीव कुमार ने विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने तथा विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने में निरंतर योगदान दिया है। उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद संजीव कुमार ने एक अनुकरणीय पहल करते हुए 15,000 की पूरी सम्मान राशि विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शिक्षक के लिए

सबसे बड़ा सम्मान विद्यार्थियों की सफलता और विद्यालय का विकास है। प्राप्त सम्मान राशि का उपयोग विद्यार्थियों के हित में शैक्षणिक कार्यों एवं गतिविधियों को और बेहतर बनाने में किया जाएगा।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने संजीव कुमार को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह सम्मान जिले के शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी है। सम्मान राशि को विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने का निर्णय उनके कर्तव्यनिष्ठा, सेवाभाव और शिक्षा के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

गैस वितरण में अनियमितता का आरोप ग्रामीणों ने उपायुक्त से की सामूहिक शिकायत

नवप्रदेश/गिरिडीह कृष्णानगर, में राष्ट्रीय नाई महासभा की ओर से दिवंगत मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदित्य कुमार सोनू के निधन पर शोक सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान मौजूद लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुप्त अर्पित किए और उनके जनहित में किए गए कार्यों को याद किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि सुदित्य कुमार सोनू गिरिडीह के विकास पुरुष थे। वे समाज के हर जाति, वर्ग और धर्म को साथ लेकर चलने वाले जनसेवा थे। उनके निधन से गिरिडीह को आपरूणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई आसान नहीं है। वहीं, राष्ट्रीय नाई महासभा गिरिडीह के जिलाध्यक्ष नन्दलाल शर्मा ने कहा कि गिरिडीह में जननायक कपूरी ठाकुर चौक के सौंदर्यीकरण में सुदित्य कुमार सोनू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि सुदित्य कुमार ने गिरिडीह में कपूरी छात्रावास बनाने का आधारसन भी दिया था, लेकिन दुर्भाग्य से वे बहुत जल्द हमलों को छोड़कर चले गए। सभा में वक्ताओं ने कहा कि सुदित्य कुमार सोनू द्वारा जनहित और गिरिडीह के विकास के लिए किए गए कार्यों को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। उनके अस्माभयिक निधन से कार्यकर्ताओं और आम लोगों में गहरा शोक है। श्रद्धांजलि सभा में झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा, राष्ट्रीय नाई महासभा गिरिडीह के जिलाध्यक्ष नन्दलाल शर्मा, अर्जुन शर्मा, बंसत ठाकुर, भिंद्र ठाकुर, सहदेव ठाकुर, मुकेश ठाकुर, प्रकाश शर्मा, अर्जुन ठाकुर, राजू ठाकुर, श्यामसुंदर ठाकुर, सुनील ठाकुर, राम कुमार शर्मा, बासुदेव ठाकुर, अशोक शर्मा, बीरेन्द्र ठाकुर, प्रेम शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सुदित्य कुमार को अंतिम नमन, भावुक हुए झामुमो कार्यकर्ता

अधूरे जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

नवप्रदेश/गिरिडीह स्थित झामुमो जिला कार्यालय में दिवंगत मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदित्य कुमार सोनू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में पार्टी जिलाध्यक्ष संजय सिंह समेत बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन नजर आया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने सुदित्य कुमार के साथ बिताए पलों को याद किया और उनके जनसेवा से जुड़े कार्यों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।



झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि सुदित्य कुमार सोनू ने हमेशा जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। गिरिडीह के विकास के लिए उन्होंने लगातार काम किया और जनहित के मुद्दों

उन्होंने कहा कि सुदित्य कुमार की कमी लंबे समय तक महसूस होती रहेगी। जनसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान और उनके संघर्ष को हमेशा याद किया जाएगा। इस दौरान सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि सुदित्य कुमार सोनू ने जनहित और गिरिडीह के विकास को लेकर जो सपने देखे थे, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए पार्टी पूरी मजबूती से काम करेगी। मौके पर महापौर प्रमिला मेहरा, उप महापौर सुमित कुमार, शाहनवाज अंसारी, रॉकी सिंह, अभय सिंह, राकेश रंजन सहित बड़ी संख्या में झामुमो नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।



नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा गिरिडीह में आज प्रातः वंदना सभा का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन गिरिडीह के सचिव तथा झारखंड ग्रामीण बैंक के प्रबंधक प्रदीप कुमार वर्णवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रच्वलन से हुआ। प्रधानाचार्य आनंद कमल एवं मुख्य अतिथि प्रदीप ने माँ सरस्वती, ॐ, भारत माता और संत शिरोमणि रविदास जी के चित्रों पर पुष्पार्चन किया। तत्पश्चात प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि का परिचय एवं स्वागत किया। आचार्य अतिथि के प्रेरणादायी उद्बोधन के लिए आभार व्यक्त किया और भैया-बहनों को उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

एसएम स्टील को सात गांवों की खुली चेतावनी जमीन ली है तो गांव में आकर जवाब दो, वरना सड़कों पर उतरेंगे

नौकरी और विकास का हिसाब मांग रहे जमीनदाता, बैठक से प्रबंधन की दूरी पर भड़का आक्रोश



वे एकजुट होकर सड़कों पर उतरेंगे। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा। गुरुवार शाम जमीनदाताओं ने कंपनी प्रबंधन के साथ बातचीत के लिए बैठक बुलाई थी। ग्रामीणों के अनुसार, प्रबंधन ने बैठक में शामिल होने से दूरी बना ली। इससे पहले से नाराज जमीनदाताओं का

गुस्सा और भड़क गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब परियोजना के लिए गांवों की जमीन ली जा रही है, तो उनके सवालों का जवाब देने के लिए कंपनी को गांव में आने में आखिर परेशानी क्या है?

हजारोंफिस नहीं, गांव में होगी बातचीत

ग्रामीणों के अनुसार, कंपनी प्रबंधन ने उन्हें अपने कार्यालय में बातचीत के लिए बुलाया है। जमीनदाता कंपनी कार्यालय जाने को तैयार नहीं हैं। उनका साफ कहना है कि प्रभावित लोगों की समस्याओं और मांगों पर चर्चा प्रभावित गांवों में, सभी जमीनदाताओं की मौजूदगी में होनी चाहिए।

नौकरी से लेकर गांव के विकास तक मांगा हिसाब

विकास की ज़िम्मेदारी भी कंपनी को स्पष्ट करनी होगी।

अब फैसला कंपनी के हाथ में

जमीनदाताओं की प्रमुख मांग जमीन के बदले रोजगार और स्थानीय युवाओं के लिए नौकरी सुनिश्चित करने की है। इसके अलावा सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास की स्पष्ट और समयबद्ध कार्ययोजना भी वे चाहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ जमीन लेकर परियोजना स्थापित करना विकास नहीं है। जिन परिवारों की जमीन परियोजना के लिए ली जा रही है, उनके भविष्य और प्रभावित गांवों के सर्वांगीण

युवती को शादी का भरोसा देकर करता रहा यौन शोषण, मरकच्चो पुलिस ने आरोपी को दबोचा



नवप्रदेश/मरकच्चो। मरकच्चो थाना कांड संख्या 64/ 2026 दिनांक 9 सितंबर 2026 के प्राथमिकी अभिषुक्त अनूप कुमार दास 22 वर्ष, पिता विजय कुमार दास, ग्राम जामु, थाना मरकच्चो, जिला कोडरमा को मरकच्चो पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में मंडल कारा कोडरमा भेज दिया। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 69 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पर मरकच्चो थाना क्षेत्र की एक युवती को पिछले करीब दो वर्षों से शादी का प्रलोभन देकर कथित रूप से यौन शोषण करने का आरोप है। आरोप है कि 8 सितंबर 2026 को आरोपी युवती को बहला, फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद शादी करने से इनकार कर दिया। घटना के बाद युवती ने मामले की शिकायत पुलिस से की, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए मरकच्चो पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में कोडरमा जेल भेज दिया गया।

साइबर ठगी में 1930, दुर्घटना व आपदा में 112 पर करें कॉल

नवप्रदेश/चौपारण। गुरुवार को चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार के द्वारा प्रखण्ड के सिंहपुर में स्थित डॉ ललन बाबू कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय, में छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूक किया गया। मौके पर थाना प्रभारी ने पंकज कुमार ने कहा कि साइबर ठग बैंक, शादी का कहां सहित अन्य बहाने से एपैके लिंक भेजकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें



और न ही अनजान व्यक्ति को ओटीपी बताएं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता पिता को भी बताने को कहा। साथ ही कहा कि साइबर ठगी की घटना होने पर तत्काल

1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करें। वहीं दुर्घटना, आगजनी या किसी अन्य आपात एवं आपदा की स्थिति में 112 पर कॉल करने की सलाह दी। थाना प्रभारी ने नशे को

युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि न शेष का सेवन करें और न ही इसकी खेती व तस्करी में शामिल हों। नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों

एक नजर

कोडरमा के लोकाई में एक युवक का शव बरामद, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज



नवप्रदेश/कोडरमा। सदर थाना क्षेत्र के लोकाई में गुरुवार शाम एक निजी स्कूल के समीप युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान लोकाई निवासी 40 वर्षीय चमरू सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटनास्थल से कुछ दूरी पर स्थित गौशाला में गोबर फेंकने गई एक महिला की नजर अचेत अवस्था में पड़े युवक पर पड़ी। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुटे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने पाया कि चमरू सिंह की मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में युवक के अत्यधिक शराब सेवन करने की बात सामने आई है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह क्या है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फ़िलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बैंक ऑफ़ इंडिया सतगावां शाखा ने ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति किया जागरूक



नवप्रदेश/सतगावां। बैंक ऑफ़ इंडिया सतगावां शाखा की ओर से शिवपुर पंचायत भवन में बैंकिंग सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों एवं बैंक ग्राहकों को बैंकिंग फ्रॉड, साइबर अपराध और सुरक्षित बैंकिंग को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।बैंक अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड का शिकार होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर डायल कर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही बैंकिंग लेन-देन के दौरान किसी अनजान व्यक्ति से ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की अपील की गई।इस दौरान विभिन्न प्रकार के बैंक खातों, बचत योजनाओं तथा डिजिटल माध्यम से सुरक्षित रूप से धनराशि के लेन-देन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बालिकाओं के सुरक्षित एवं बेहतर भविष्य के लिए संचालित सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में भी विशेष रूप से बताया गया।मौके पर बैंक ऑफ़ इंडिया सतगावां शाखा के उप प्रबंधक संदीप कुमार, बैंक बीसी चंदन कुमार, ऋषि राज, विनय शंकर वैद्य, मुन्ना कुमार, मिथुन कुमार समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बहन ने भाई गुमशुदगी को लेकर मरकच्चो थाना में की शिकायत

नवप्रदेश/मरकच्चो। थाना क्षेत्र के तेलोडीह पंचायत अंतर्गत बिचरिया नवादा निवासी सुनीता देवी ने अपने भाई की गुमशुदगी को लेकर गुरुवार को मरकच्चो थाना में लिखित आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है। आवेदन के अनुसार, सुनीता देवी के भाई दिनेश्वर रविदास (42 वर्ष), पिता आनंदी दास, ग्राम बदडीहा, घोड़थंभा ओपी क्षेत्र पिछले करीब दस महीने से बहन के घर रह रहे थे। बताया गया कि घरेलू प्रताड़ना से परेशान रहने के कारण वह मासिक तनाव में थे। बुधवार करीब 10 बजे दिन में वह अचानक घर से कहीं चले गए। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों के अनुसार, दिनेश्वर की लंबाई करीब 5 फीट 3 इंच, रांग गोरा, चेहरा हल्दी है। घटना के समय उन्होंने काली फुलपैट और काली टी-शर्ट पहन रखी थी। परिजनों ने पुलिस से जल्द तलाश करने की गुहार लगाई है। किसी को जानकारी मिलने पर 7091930921 पर सूचना देने की अपील की गई है।

एसआईआर 2026: पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने में सहयोग करें राजनीतिक दल : आयुक्त

नवप्रदेश/कोडरमा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 को लेकर गुरुवार को परिसदन सभागार में मतदाता सूची प्रेक्षक . सह. प्रमंडलीय आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग विजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में दावा. आपति, फॉर्म, 6, मैपिंग एवं अनमैपिंग समेत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में पात्र नागरिकों को एसआईआर की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करते हुए बात . प्रतिशत पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल कराने में सहयोग करें। प्रतिनिधियों ने वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम नहीं होने समेत विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव रखे। आयुक्त ने बताया कि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। 2003 की सूची में नाम नहीं होने वाले नागरिक निर्धारित 12 दस्तावेजों में से किसी एक वैध दस्तावेज के आधार पर दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद आयुक्त ने कोडरमा प्रखंड सभागार में आयोजित नो-मैपिंग एवं विसंगति संबंधी विशेष कैंप का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को दस्तावेजों की नियमानुसार जांच कर पात्र मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर एडीसी संजय पी.एम. कूजूर, एसडीओ निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी समेत अन्य मौजूद रहे।



केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने निकाली स्वच्छता रैली

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला। केन्द्रीय विद्यालय गुमला के विद्यार्थियों द्वारा गुरुवार को स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वच्छता रैली निकाली । विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या शीला तिग्गा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को विद्यालय परिसर से करमटोली नगर के लिए रवाना किया। रैली में विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर तथा नारे लगाते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान ह्रस्व रोगों की एक दवाई, हर घर में साफ-सफाईह जैसे नारों के माध्यम से स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया रैली में शिक्षक पवन कुमार उरांव, रंजीत



उरांव, जितेंद्र कुमार, सोमेंद्र दहांगा, दिव्य ज्योति कुमारी,

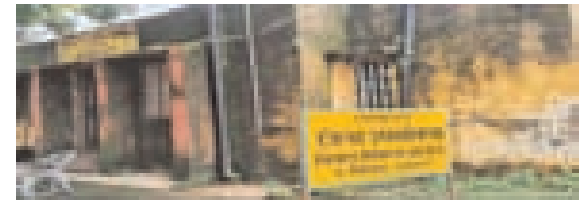
विनय कुमार बरनवाल एवं दीपेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में

विद्यार्थी शामिल हुए। शिक्षकों ने लोगों से अपने घर, आसपास के

क्षेत्र एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को

दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

बीमा दावा खारिज पर गो डिजिट को 2.74 लाख चुकाने का आदेश



नवप्रदेश/पश्चिमी सिंहभूम। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का बीमा दावा पर्याप्त साक्ष्य के बिना खारिज करना गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, पश्चिमी सिंहभूम के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की पीठ ने शिकायतकर्ता मुकेश कुमार मोदी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को 2,34,698 रुपये की बीमा राशि देने का आदेश दिया है। इसके साथ मानसिक परेशानी और उत्पीड़न के लिए 25 हजार रुपये और मुकदमे के खर्च के रूप में 15 हजार रुपये का भुगतान करने को कहा गया है। बीमा राशि पर शिकायत दर्ज करने की तिथि से भुगतान तक 09 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। मामला आमला टोला, चाईबासा निवासी गोपी चंद्र मोदी के पुत्र मुकेश कुमार मोदी के वाहन संख्या जेएच-05 बीजेड-1808 से जुड़ा है। वाहन का गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड से 02 फरवरी 2025 से 01 फरवरी 2026 तक बीमा कराया गया था। वाहन की बीमित घोषित कीमत 2,34,698 रुपये थी। मुकेश कुमार मोदी के अनुसार 09 मार्च 2025 की रात वह चाईबासा से क्योझर जा रहे थे। रिमूली, क्योझर के पास दो तेज रफ्तार ट्रक एक-दूसरे को ओवरटेक कर रहे थे। इसी दौरान दोनों ट्रक उनकी कार के दोनों ओर आ गए। टक्कर से बचने के लिए उन्होंने कार को दायीं ओर मोड़ा, लेकिन सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक से वाहन टकरा गया। हादसे में कार के अगले और बाएं हिस्से को काफी क्षति पहुंची। दुर्घटना की सूचना देने के बाद मुकेश ने बीमा कंपनी के समक्ष दावा प्रस्तुत किया, लेकिन कंपनी ने भुगतान करने से इनकार कर दिया। कंपनी का कहना था कि वाहन को हुई क्षति शिकायतकर्ता की ओर से बताए गए दुर्घटना के कारण से मेल नहीं खाती। शिकायतकर्ता ने फोन, संदेश और ई-मेल के माध्यम से कंपनी से कई बार संपर्क किया, लेकिन दावा निपटया नहीं गया। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग की ओर से नोटिस जारी किए जाने के बावजूद बीमा कंपनी ने न तो अपना लिखित पक्ष रखा और न ही सुनवाई में कोई प्रतिनिधि भेजा। आयोग ने बीमा कंपनी को आदेश दिया कि निर्धारित राशि का भुगतान 45 दिनों के भीतर करने का आदेश दिया। साथ ही कि निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने की बात कही।

उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक संपन्न

स्वास्थ्य सेवाओं में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश

नवप्रदेश/गुमला : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त, गुमला दिशेष्वर महतो की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति, पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मातृत्व स्वास्थ्य के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच (एनपीसी) एवं संस्थागत प्रसव की प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं की नियमित ट्रैकिंग करते हुए छूटे हुए मामलों की पहचान एवं फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। एनपीसी जांच के निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत बनाए रखने तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने का



निर्देश दिया गया। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को हार्ड रिकॉर्ड गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी एवं समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया। बाल स्वास्थ्य के तहत नियमित टीकाकरण की समीक्षा में जिले की उपलब्धि लगभग 99 प्रतिशत पाई गई। पिछले स्तर की तुलना में लगभग एक प्रतिशत की कमी को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने छूटे हुए सभी बच्चों की पहचान कर उन्हें शत-प्रतिशत नियमित टीकाकरण से जोड़ने का निर्देश दिया। डुमरी में निजी संस्था द्वारा संचालित एमटीसी केंद्र के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई पर वार्ता की गई। उपायुक्त ने सरकारी एमटीसी की सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा जरूरतमंद बच्चों को सरकारी कुपोषण उपचार केंद्र तक पहुंचाने के लिए प्रभावी स्तर पर

जागरूकता एवं परामर्श अभियान चलाने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं वय वंदना योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले के विभिन्न वार्डों में आयुष्मान मित्रों के माध्यम से विशेष शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जो 15 सितंबर 2026 तक जारी रहेंगे।डुमरी, बिशुनपुर एवं कामडारा में नए आयुष्मान मित्रों की विहित किए जाने की जानकारी दी गई।आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत आभा कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। वर्तमान में जिले की उपलब्धि 59.21 प्रतिशत है तथा राज्य स्तर पर गुमला जिला छठे स्थान पर है। उपायुक्त ने आभा कार्ड निर्माण की गति बढ़ाते हुए स्वास्थ्य संस्थानों एवं विशेष शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लोगों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए

वाहन की टक्कर से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

नवप्रदेश/सरायकेला-सीनी मोड़ चौक पर स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा बुधवार को एक अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आदिवासी भूमिज मुंडा समाज, सीनी, सरायकेला के सक्रिय सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। समाज के सदस्यों ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा को सम्मानपूर्वक उठाकर सुरक्षित स्थान पर रखा। घटना में शामिल वाहन को भी मौके



पर रोक लिया गया। इसके बाद

समाज के वरिष्ठ सदस्यों की

मौजूदगी में वाहन मालिक के साथ वार्ता की गई। वार्ता के दौरान वाहन मालिक ने अपनी गलती स्वीकार की और मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों की सहमति से तय किया गया कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की नई प्रतिमा के निर्माण में होने वाला पूरा खर्च वाहन मालिक वहन करेगा। समाज के सदस्यों ने बताया कि नई प्रतिमा के निर्माण के लिए वाहन मालिक ने उसी दिन

मूर्तिकार को अग्रिम राशि भी उपलब्ध करा दी है। सहमति के अनुसार एक माह के भीतर सीनी मोड़ चौक पर नई प्रतिमा स्थापित कर दी जाएगी। आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से वाहन को भी मुक्त कर दिया गया। इस दौरान आदिवासी भूमिज मुंडा समाज के दिवाकर सरदार, रंजीत सरदार और एमपी सरदार समेत समाज के अन्य सदस्य मौजूद रहे। समाज के सदस्यों ने पूरे मामले में

शांति और संयम बनाए रखने के लिए ग्रामीणों और युवाओं के प्रति आभार जताया। समाज एवं स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से सीनी मोड़ चौक की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उन्होंने चौक पर स्पीड ब्रेकर, हार्ड मास्ट लाइट तथा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के चारों ओर सुरक्षा रेलिंग लगाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो और प्रतिमा सुरक्षित रह सके।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त की अध्यक्षता में कार्य प्रमंडलों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नवप्रदेश/सरायकेला- समाहरणालय सरायकेला सभागार में गुरुवार को उपायुक्त सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्य प्रमंडलों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न कार्य प्रमंडलों द्वारा योजनाओं के तहत कराए जा रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की अद्यतन प्रगति एवं स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा पूर्व की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की स्थिति तथा लॉबित एवं निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लॉबित कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने का निर्देश दिया। साथ ही कार्यों की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत आगनवाड़ी केंद्रों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में पूर्ण हो चुकी योजनाओं से संबंधित लॉबित भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया, ताकि भुगतान से संबंधित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में भवन निर्माण, विद्युत, लघु सिंचाई, विशेष प्रमंडल समेत विभिन्न कार्य प्रमंडलों के कार्यालयक अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को दी गई नई तकनीकी की जानकारी उपहार देकर किया उत्साहित



नवप्रदेश/ईचागढ़- ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक के सरिता इंटरप्राइजेज परिसर में शक्तिमान कंपनी की ओर से कृषक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। ट्रैक्टर द्वारा सक्षम किसानों को रोटावेटर से आधुनिक व उन्नत कृषि तकनीकी के संबंध में जानकारी दिया गया। शक्तिमान रोटावेटर का इस्तेमाल करने वालों को इफेक्शन चुल्हा व इफेक्शन वर्तन सेट देकर उत्साहवर्धन किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि शक्तिमान कंपनी की ओर से रोटावेटर का इस्तेमाल करने वाले को पुरस्कृत किया गया, ताकि कंपनी से लगाव बढ़े और उन्नत कृषि को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष में सबसे अधिक उपयोग शक्तिमान रोटावेटर किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगले बार उषा कंपनी का पंखा दिया जाएगा। रोटावेटर से आच्छादित किसानों को मिलन चौक व्यवसायिक समिति के अध्यक्ष, सचिव, सरिता इंटरप्राइजेज के संचालक शिवनाथ महतो, मनप्रीत सिंह,राजा रोहित,राजा राहुल व आदित्य रंजन ने किसानों को अंगवस्त्र देकर व चुल्हा व कीचन सेट देकर उत्साहवर्धन किया। कर्मौ पर व्यवसायिक समिति के पूर्व अध्यक्ष वृन्दावन महतो, सचिव वीलीपु कुमार दास, उपाध्यक्ष महेश्वर गोप, अमृत्यु प्रामाणिक, धीरेन दास, गोपाल महतो, परशुराम महतो आदि उपस्थित थे।

भुरकाडीह में वन भूमि पर हाईमास्ट लाइट लगाने का विरोध, ग्रामीणों ने डीसी से की शिकायत



नवप्रदेश/सरायकेला: सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-01 स्थित भुरकाडीह मौजा में वन भूमि पर हाईमास्ट लाइट लगाए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है।ग्रामीणों ने बिना ग्राम आमसभा और स्थानीय लोगों की सहमति के लाइट लगाए जाने का आरोप लगाते हुए जिले के उपायुक्त से शिकायत की है।ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर हाईमास्ट लाइट का निर्माण कराया जा रहा है, वह वन विभाग की भूमि है। उनका आरोप है कि स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना निर्माण कार्य शुरू किया गया है। ग्रामीणों ने इस मामले में आदित्यपुर नगर निगम के तत्कालीन मेयर, संबंधित ठेकेदार और एक स्थानीय व्यक्ति की कथित मिलीभगत का भी आरोप लगाया है। शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री की साजिश की जा रही है। उन्होंने उपायुक्त से मांग की है कि हाईमास्ट लाइट के निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए और किसी भी सार्वजनिक निर्माण से पहले ग्राम आमसभा की सहमति सुनिश्चित की जाए।ग्रामीणों ने मामले में वन विभाग, पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ, आदित्यपुर थाना प्रभारी तथा गम्हरिया अंचलअधिकारी को भी शिकायत की प्रति भेजी है। साथ ही वन भूमि की कथित अवैध खरीद-बिक्री में शामिल लोगों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि वन भूमि और सार्वजनिक संसाधनों से जुड़े किसी भी निर्णय में स्थानीय लोगों की सहमति और नियमानुसार प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सरायकेला-खरसावां में फरार अभियुक्तों एवं वारंटियों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 11 गिरफ्तार



नवप्रदेश/सरायकेला : जिले में फरार एवं वारंटी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई 9 सितंबर की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई। अभियान के दौरान आदित्यपुर थाना क्षेत्र से तीन गैर-जमानती वारंट आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं गम्हरिया थाना क्षेत्र से दो गैर जमानती वारंट का निष्पादन किया गया। इसी तरह आरआईटी थाना से एक आरोपी, सरायकेला थाना से एक कांड एवं एक वारंट में कुल दो आरोपी, राजनगर थाना से एक आरोपी, कपाली ओपी से एक आरोपी तथा चौका थाना से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, जिले में फरार और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य लंबित वारंटों का निष्पादन करते हुए फरार आरोपियों पर कानूनी शिकंजा कसना है।



मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

‘खतरों के खिलाड़ी 15’ की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही बैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर

उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड बुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही बैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे

इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गई। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। ‘लॉक अप 2’ में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं...तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।



ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

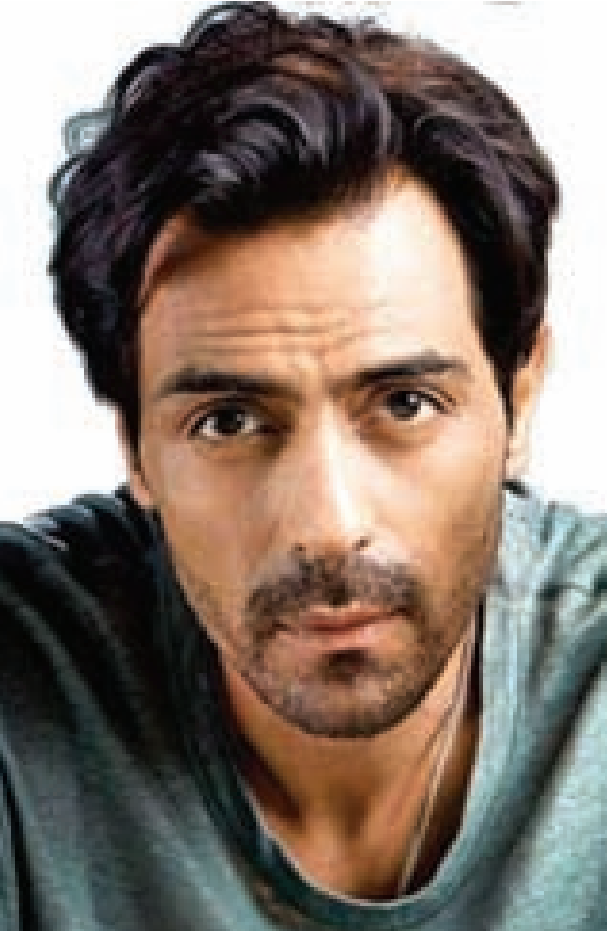
अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक ‘आई एम इनफ’ टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, ‘मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई फ्रिंटिक मेसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यू ही अपने बारे में बात कर रही होती है।’ जैस्मिन ने आगे कहा, ‘हेरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज।’

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, ‘आई एम इनफ’ (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनापन जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी 9’ की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली ‘बिग बॉस 14’ के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।



अर्जुन रामपाल ने ‘ओ साथी रे’ को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज ‘ओ साथी रे’ की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ‘कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे!’ अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, ‘अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।’ इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा ‘अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।’

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ‘ओ साथी रे’ ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटपिलव्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम ‘ओ साथी रे’ की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।’



फिल्म ‘दायरा’ नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म ‘दायरा’ इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म टुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म ‘दायरा’ के बारे में बात करते हुए कहा, ‘दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही ‘वाराणसी’ के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।’

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, ‘मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रहा था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।’ पृथ्वीराज ने आगे बताया, ‘हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अर्जुन का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।’

‘राइज एंड फॉल 2’ में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफिलक्स के रियलिटी शो ‘लॉक अप- सच या सजा’ के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे वर्चित रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं। गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हॉरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं। शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी गोविंदा से ‘राइज एंड फॉल 2’ रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-

टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्टेंट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखाई। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।



वेब सीरीज ‘असुर सीजन 3’ की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्टर संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। ‘असुर’

फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्टर संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखाई। इनसे फैंस को ‘असुर सीजन 3’ के बारे में जानकारी मिली। संदीपा धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, ‘यह जबरदस्त होने वाला है, ‘नई शुरुआत’ और ‘तूफान से पहले की शांति’। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पदों नहीं उठाया गया है।

संक्षिप्त

समाचार

आपदा में मकान, सड़कें और पुल बह गए, भारत-चीन कर रहे मदद; बेली ब्रिज भेजे गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुलों और सड़कों को फिर से बनाने की कोशिश में जुटा है, और भारत और चीन से मदद मांगी है। पड़ोसी देशों ने अस्थायी पुल मुहैया कराने के नेपाल के आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आपदा में उत्तरी और मध्य नेपाल में मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए थे। रसुवा और चितवन के बीच 63 पुल में 41 पुल नष्ट हो गए और चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार, चीन मुस्तांग में कोरला सीमा चौकी पर दो बेली ब्रिज पहले ही भेज चुका है। भारत ने भी नेपाल को बेली ब्रिज उपलब्ध कराने की पेशकश की है। काठमांडो के एक बौद्ध मठ में बने राहत शिविर में इन दिनों 520 ऐसे बेघर लोगों ने शरण ले रखी है जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया है। शिविर में एक कोने में बैठे 12 वर्ष के मासूम त्सेरिंग की आंखें लगातार दरवाजे पर टिकी हैं। उसे भरोसा है कि उसके माता-पिता जल्द लौट आएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। नेपाल में जल प्रवाह के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मंगलवार रात 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमान्थांग में था। इससे कोई हताहत नहीं है।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध: ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब; स्टील समेत क्या सामान महंगे होंगे

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तख्त होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्युमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पैपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोन: यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रैमलिन पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रैमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रैमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की हाजिया मारको और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म करने के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। क्रैमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है। क्रैमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस से खतरे की बातें यूरोपीय देशों को यूक्रेन का समर्थन बढ़ाने और सैन्य खर्च बढ़ाने का बहाना देती हैं। रूस अपने सैन्य लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूके छोड़ने पर कानूनी रोक’: विजय माल्या बोले- मैं भगोड़ा नहीं; भारत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, क्या है मामला

लंदन, एजेंसी। शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर खुद को ‘भगोड़ा’ कहे जाने पर सवाल उठाया है। माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मैं भारत लौटने से भाग नहीं रहा हूं। मुझे भगोड़ा कहने वालों को समझना चाहिए कि मैं 1992 से यूके यानी ब्रिटेन का स्थायी निवासी हूं। फिलहाल कानूनी तौर पर देश छोड़ने पर रोक है। भारत सरकार ने मेरे साथ घोर अन्याय किया। **भारत में माल्या को भगोड़ा क्यों कहा जाता है** : भारत सरकार के रिकॉर्ड में विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं।

यही वजह है कि भारत में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, माल्या अब इसी

पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ब्रिटेन में उनका रहना किसी तरह भारत से भागने की कोशिश नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी स्थिति का नतीजा है।

भारत सरकार माल्या की वापसी पर क्या कह चुकी है : भारत सरकार का रुख इस मामले में पहले से साफ रहा है। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानून के तहत वांछित लोगों को देश वापस लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने माना था कि ऐसे मामलों में कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि सरकार इस मामले में कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सरकार की कोशिश है कि आर्थिक अपराध के मामलों में वांछित लोग भारत लौटें और अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूल की जा चुकी है, तो उन्हें अब भी बैंक धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ



था। इसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल एक कथित हलफनामे का हवाला दिया। माल्या का दावा है कि इस हलफनामे के एक हिस्से में 2021 में उनसे 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का जिक्र है। माल्या ने सवाल उठाया कि अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूल की जा चुकी है, तो उन्हें अब भी बैंक धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ

अकाउंट की तालिका भी साझा की। इसके जरिए उन्होंने कहा कि अब सवाल यह होना चाहिए कि उन्हें उनकी रकम वापस कब मिलेगी। विजय माल्या ने यह भी दावा किया कि ईडी ने उनके अटैच फंड से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम किंगफिशर कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए जारी की थी। उनका कहना है कि उनकी संपत्तियां और फंड अटैच होने के कारण वह खुद कर्मचारियों का भुगतान नहीं कर सके।

माल्या के मामले में अदालत का रुख क्या : विजय माल्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट भी सख्त रुख अपना चुका है। फरवरी 2026 में अदालत ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जमानबूझकर अदालती कार्यवाही से बच रहे हैं। अदालत ने कहा था कि ऐसी स्थिति में वह समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। उच्च अदालत ने माल्या को यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी

अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्यवाही को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में है कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है।

माल्या ने ईडी के विरुद्ध हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयर: फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गई करोड़ों की कलाकृतियां



सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

लुव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर : अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लुव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय

लुव्र को निशाना बनाया, जब म्यूजियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूजियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट ला लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडेम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी।

ज्यादातर गहने अब भी गायब : चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आधिकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल

महारानी यूजीनी का हीरे और पन्ने जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूजियमों में शामिल लुव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया।

मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत : लुव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी फ्रिस्वो पेरुगिया ने चुराया था। वह म्यूजियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया।

दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा : चोरी के करीब दो साल बाद 'मोना लिसा' को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची की इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल

करने में बड़ी भूमिका निभाई।

बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम की चोरी आज भी रहस्य : इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन से इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है।

पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में घुसे थे चोर : 18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं। म्यूजियम के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने दो सुरक्षा गार्डों को काबू में कर लिया और उन्हें डकट टेप से बांध दिया। इसके बाद करीब 81 मिनट तक उन्होंने म्यूजियम से 13 कलाकृतियां चुरा लीं। चोरी हुई कलाकृतियों में रेम्ब्रांट, वर्मीर, डेसास और मैनेट जैसे महान कलाकारों की बेशकीमती कृतियां शामिल थीं। अधिकारियों का कहना है कि चोरी हुई इन कलाकृतियों की कीमत करीब आधा बिलियन डॉलर तक हो सकती है। हालांकि, म्यूजियम अधिकारियों के मुताबिक इनका असली मूल्य सिर्फ पैसों में नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इनकी जगह दूसरी कलाकृतियां नहीं रखी जा सकती। कुछ कलाकृतियों को उनके फ्रेम से काटकर निकाला गया था। इनमें रेम्ब्रांट की मशहूर पेंटिंग 'स्टॉर्म ऑन द सी ऑफ गैलिली' भी शामिल थी।

बेंजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौरा: ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग, फिर क्यों जा रहे न्यूयॉर्क



कानूनी अधिकार नहीं है। ममदानी ने नवंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय यानी आईसीसी की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया था। इसकाइल के राजदूत डैनन ने ममदानी के बयान पर नाराजगी जताई। इसाइल को निशाना बनाकर राजनीति करना अब आसान तरीका बन गया है। डैनन ने कहा, 'हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री आएँ। आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट में नेतन्याहू पर क्या आरोप हैं अंतराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नवंबर

2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इसाइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमस के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

क्या न्यूयॉर्क पहुंचते ही नेतन्याहू गिरफ्तार हो सकते हैं : न्यूयॉर्क शहर के पास आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि ममदानी ने अमेरिकी संघीय सरकार से नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। अमेरिका और इसाइल दोनों आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। वहीं ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के कर्मचारियों पर कई प्रतिबंध लगाए

ट्रेड वॉर में ट्रंप की नई चाल: कनाडा के डेयरी-शराब और बाइक अमेरिका में बैन, अब क्या पलटवार करेंगे कार्नी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने जा रहा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह कदम दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच उठाया गया है। यह रोक तीन हफ्ते में लागू होगी। इससे पहले मंगलवार को ही कनाडा ने अमेरिका से होने वाले 20 अरब डॉलर के आयात पर जवाबी टैरिफ लगा दिए थे।

कनाडाई सामानों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखने का फैसला : मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रोडक्ट्स को अमेरिकी सरकार के बड़े और लंबे समय वाले कॉन्ट्रैक्ट्स से बाहर रखने का फैसला किया। यह कदम कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू करने और प्रधामंत्री मार्क कार्नी के अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों को तेज करने के वादे के बाद उठाया गया है।

ट्रंप ने तब को लिए निर्देश : ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (तब) को निर्देश दिया है कि वह कनाडा के प्रोडक्ट्स को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए अयोग्य घोषित करें। हालांकि, यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक कनाडा अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए 'पूरी और निष्पक्ष बराबरी' की अनुमति नहीं देता।

'कनाडा को ज्यादा आत्मनिर्भर बनना होगा' : इससे पहले मंगलवार को कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की रणनीति अब ज्यादा स्वातंत्र और आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम



नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हेंगर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।'

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु सक्ष सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरी और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।

हैं और इस न्यायालय को खत्म करने की कोशिश की है। **इस दौर से जुड़ी सात अहम बातें क्या हैं** : दौरा करीब 24 घंटे का होगा: नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 24 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इसाइल वापस लौट जाएंगे। ममदानी ने गिरफ्तारी की मांग की थी: न्यूयॉर्क के मेयर ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है। आईसीसी ने नवंबर 2024 में वारंट जारी किया: अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसमें गाजा युद्ध के दौरान मानवीय सहायता रोकने और नागरिकों को निशाना बनाने के आरोप शामिल हैं।



अपनी मर्जी से जी सके। **यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते मजबूत करने की तैयारी** : एक कनाडाई अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन (घ) के साथ ऐसे रिश्ते बनाने पर विचार कर रहा है, जो पूरी सदस्यता तो न हों, लेकिन उसके काफी करीब हों। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार करना, नई संधि पर बातचीत करना या सहयोग के दूसरे रास्ते तलाशना शामिल हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और लेबर ग्रुप्स से सलाह-मसौदारा कर रहा है कि थ के साथ किस तरह के गहरे संबंध बनाए जा सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी एक मॉडल पर फैसला नहीं हुआ है। कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रुसबर्ग जाने वाले हैं। वहां वह 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन के 'स्ट्रेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण में शामिल होंगे। **दशकों पुराने करीबी रिश्ते में बढ़ा दूरार** : अमेरिका और कनाडा के बीच पैदा हुई यह दूरार दुनिया के सबसे करीबी रिश्तों में से एक को पूरी तरह बदल रही है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और उनके बीच रक्षा एवं सुरक्षा के भी बेहद करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नॉर्थ अमेरिकन ट्रेड एग्रीमेंट पर दोबारा बातचीत की थी और बाद में उसकी कई बार तारीफ भी की, लेकिन अब उनके प्रशासन ने कनाडाई सामानों पर कई टैरिफ लगा दिए हैं।

संजय झा का बड़ा बयान: JDU का नाम बदलकर जनता दल नीतीश करने की अपील

बिहार के विकास और पार्टी के उत्थान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के योगदान को देखते हुए पार्टी का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए-संजय झा

निरंकार भास्कर	
	
नवप्रदेश/खगड़िया: जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय झा ने पार्टी का नाम बदलकर जनता दल नीतीश करने का प्रस्ताव रखा है। खगड़िया में आयोजित नीतीश संसद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा से	

जीएमसीएच बेतिया में दवा एवं चिकित्सा सुविधाओं की हुई विस्तृत जांच

नवप्रदेश/बेतिया। जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण तरनजोत सिंह के निर्देश के आलोक में नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया शिवाक्षी दीक्षित एवं वरीय उप समाहर्ता रोचना माद्री ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच), बेतिया का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं एवं अन्य चिकित्सा सामग्रियों की विस्तृत जांच की निरीक्षा के दौरान अधिकारियों ने जीएमसीएच के ओपीडी, आईपीडी, दवा वितरण केंद्र, स्टोर रूम सहित विभिन्न कक्षों का गहन जायजा लिया। इस क्रम में अस्पताल में उपलब्ध दवाओं एवं चिकित्सा सामग्रियों के स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली गई।

मोतिहारी में पानी गिराने को लेकर खूनी संघर्ष, देवर-भाभी की मौत; तीन घायल

नवप्रदेश/मोतिहारी। पताही थाना क्षेत्र की जिहलूी पंचायत के जमुनी टोला गांव में सड़क पर पानी गिराने को लेकर दू पक्षों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। कहासुनी के बाद हुई मारपीट में धारदार हथियार से हमला किए जाने का आरोप है। घटना में तीन लोग घायल हो गए।घायलों में मरीना खातून (35) और जमील अख्तर (36) की मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों मृतक आपस में देवर-भाभी बताए जा रहे हैं। वहीं मोहसीन अख्तर (40) का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।बताया जा रहा है कि बुधवार देर शाम संजय सिंह के घर के समीप सड़क पर पानी गिराने को लेकर विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि मोहसीन अख्तर सड़क पर पानी गिरा रहे थे, जिसका संजय सिंह ने विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया।

ग्रामीणों ने प्रेमी और प्रेमिका की कराई शादी

नवप्रदेश/बेतिया। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्र में प्रेमी और प्रेमिका के मिलने शादी होने अपहरण करने,संका मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है,लगभग नित्यदिन इस तरह की घटना हो रही है,माता-पिता,अभिभावक, परिजन,ग्रामीण के अलावा जनप्रतिनिधि पुलिस प्रशासन सभी इसमें परेशान हो रहे हैं,इसके बाद सभ्य समाज,परिवार पर इसका बुराअसर पड़ रहा है,इस तरह की घटना घटने पर संबंधित परिवार के लोग भी लोकलला के चरतेअसमजस की स्थिति में पड़ जाते हैं।इसी क्रम में संवाददाता को पता चला है कि गौनाहा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक प्रेमी अपने प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर पहुंच गया,इसके देखते ही ग्रामीणों ने दोनों प्रेमी और प्रेमिका को पकड़कर दोनों की सहमति से तिरवाया मंदिर में शादी रचा दी।दोनों में विगत वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था, दोनों एक दूसरे से शादी करने के लिए राजी थे, दोनों के अभिभावक की राजमंदी से शादी कर दी गयी। प्रेमी युवक,विजय कोजदार और प्रेमिका सुमन कुमारी की शादी में स्थानीय जनप्रतिनिधि, मिहिरवा के पंचायत समिति सदस्य नंदकिशोर चौरसिया की भूमिका अहम रही,इन्होंने से संवाददाता को बताया कि दोनों प्रेमी प्रेमिका वर्षों से प्रेम प्रसंग से जुड़े हुए थे, उनकी इच्छा को देखते हुए इन दोनों की शादी मंदिर में करा दी गई।इसके बाद दोनों अपनी सुखमय जीवन जीने के लिए आतुर हो गए।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह ने दरिद्र को ही नारायण बताया



नवप्रदेश/प्रतिनिधि, सूर्यपुरा। हिंदी साहित्य जगत में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पद्मभूषण प्राप्त शैली सम्राट सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह ने दरिद्र को ही नारायण बताया. उक्त बातें सूर्यपुरा के राज राजेश्वरी प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की 136 वीं जयंती सह मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह के अवसर पर बिक्रमगंज स्थित नगोद झा महिला महाविद्यालय के विद्यार्थी डॉ अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कही. इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ तेज बहादुर सुमन, सीओ गोल्डी कुमारी, बीईओ प्रकाश पिप्राटी, थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव रंजन पांडे तथा संचालन शिक्षक नरेंद्र कुमार चौधरी ने किया. वहीं विद्यालय में उपस्थित सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर विद्यालय द्वारा किया गया. फिर विद्यालय की छात्राओं ने आगत अतिथियों के स्वागत में सामूहिक रूप से स्वागत गान गीता वीणानि ज्ञान की देवी, अपनी दया बरसा देना, मेरे सिर पर हावर रखकर ज्ञान की ज्योति जला देना प्रस्तुत किया. वहीं विद्यालय के संगीत शिक्षक भरत गिरि ने तथा छात्राओं ने राजा साहब के जीतनी पर आधारित संगीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. फिर राजा साहब द्वारा प्रत्येक वर्ष मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट में मेधावी छात्र छात्राओं के बीच नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया . जिसमें बालिका में प्रथम टॉप शिवालिक कुमारी तथा पीपूष कुमार को राजा राधिका रमन पुरस्कार के तहत 50।रुपए नगद एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया. तथा द्वितीय स्थान पर जूही कुमारी तथा सत्यम कुमार को डोंपी कुमारी के द्वारा इंजीनियर रामनाथ सिंह सचिदया देवी पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र एवं नगददासी दी गई वहीं तृतीय पुरस्कार अंशु कुमारी तथा रोशन कुमारी को सचिदया देवी पुरस्कार दिया गया चतुर्थ पुरस्कार में खुशबू कुमारी वन तथा रविकांत कुमार वहीं खुशबू कुमारी 2 एवं विवेक कुमार को सुनील कुमार सिंह पुरस्कार दिया गया वहीं इंटरमीडिएट विज्ञान संकाय के प्रथम सौरव कुमार को शाहिद इकबाल खान पुरस्कार द्वितीय में प्रिस कुमार दुबे को संजीत कुमार पुरस्कार तथा तृतीय वैशाली कुमारी को प्रियंका पुरस्कार वहीं कला संकाय में प्रथम गायत्री दास को राजीव रंजन पुरस्कार तथा द्वितीय लवली कुमारी को संजय कुमार पुरस्कार कुमारी को सुभाष कुमार पुरस्कार के तहत नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र बीडीओ तेज बहादुर सुमन, सीओ गोल्डी कुमारी, बी ई ओ मनोज कुमार, थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत, प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव रंजन पांडे के कर कमलों द्वारा वितरण किया गया . वहीं दूसरी तरफ प्रखंड मुख्यालय स्थित नव स्थापित सरकारी डिग्री महाविद्यालय में साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद की जयंती के अवसर पर निहालक भेंडिकल झांसी का आयोजन कर दर्जनों लोगों का स्वास्थ जांच कर उन्हें मुफ्त में दवा भी दी गई वहीं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अलाउद्दीन अजीजी की अध्यक्षता में साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह की जयंती पर कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन पूर्व मंत्री रणजीत सिंह एवं शाहबाद रंजन के डीआईजी सचिव प्रकाश ने दीप प्रज्वलित कर किया तथा राजा साहब की जयंती पर के काटकर छात्र-छात्राओं के बीच वितरण किया गया वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीआईजी सत्य प्रकाश ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति एवं साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय को बात कर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया. साइबर पर मो मजहब, विजय कुमार गुप्ता, सुदामा पांडे, पारस नाथ सिंह, अमूल्य कांत ज्योति उर्फ सुरेंद्र जी, पीके मिश्रा, बीरेंद्र लाल, मनोज सिंह, शिक्षक संजीत कुमार सिंह, विकास कुमार, कुमार रंजीत, मंदुस कुमार, आलोक कुमार मिश्रा मृदुला कुमारी, रूबी कुमारी के साथ ही सभी शिक्षक शामिल थे

किन्नर समाज ने मंत्री का किया स्वागत और बांधी राखी

1 करोड़ 57 लाख की योजनाओं का हुआ शिलान्यास

नवप्रदेश/जगदीशपुर भोजपुर। योजना एवं विकास मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा ने जगदीशपुर अनुमंडल कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 1 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत वाला 16 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर जगदीशपुर प्रखंड में 9 और पीरो

प्रखंड में 7 विकास कार्यों की शुरूआत की गई।

जिसमें जगदीशपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर में अधिवक्ताओं के लिए हॉल निर्माण जगदीशपुर प्रखंड के दुलौर तुरहा टोली में हरदिया मुसहर टोली में सामुदायिक भवन निर्माण ,दावा गांव एवं खननी खुर्द टाला अमेहता पंचायत के केवटोया गांव में सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार बड़पखा बाल पर मुसहर टोली में सामुदायिक चबूतरा निर्माण



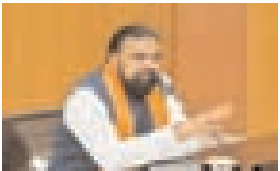
बांग्लादेश के साथ फरक्का जल

पद कार्यपालक सहायक का और कार्य न्यायालय के पेशकार का कार्यपालक सहायक के सामने बाबू भी फेल

पदाधिकारी का मिलता है संरक्षण

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। भूमि सुधार उप समाहर्ता के कार्यपालक सहायक न्यायालय के पेशकार का काम करते हैं। कार्यपालक सहायक प्रेम प्रकाश के सामने बाकी सभी कर्मी चाहे वे नियमित क्लर्क हो या कुछ और, सब बौना साबित हो रहे हैं। साहब के संरक्षण में कार्यपालक सहायक का जलवा है। अधिवक्ता शिकायत भी करें तो साहब भी नाराज हो जाते हैं। कहने को तो न्यायालय के आदेश साहब लिखते

बिहार के 1.05 करोड़ पेंशनधारियों के खाते में पहुंची 1100 की पेंशन, सीएम सम्राट चौधरी ने ट्रांसफर किए 1233.87 करोड़

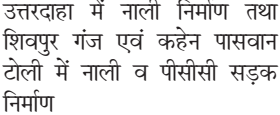


निरंकार भास्कर नवप्रदेश/मुंगेर। बिहार के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिए बड़ी खबर है। अगस्त 2026 की पेंशन राशि 10 सितंबर को DBT के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में भेज दी गई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुंगेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेंशन भुगतान की शुरुआत की। इस योजना के तहत करीब 1.05 करोड़लाभार्थियों के खातों में 1100-1100 की राशि भेजी गई है। कुल 1233.87 करोड़ का भुगतान DBT के माध्यम से किया गया। खाते में पैसे आए या नहीं, ऐसेकरेंचेक करेंशेनधारी अपने बैंक खाते में राशि आने की जानकारी मोबाइल पर बैंक का रटर चेक करके, पासबुक अपडेट कराकर या बैंक जाकर प्राप्त कर सकते हैं। खाते में राशि आने के बाद बैंकिंग सुविधा के अनुसार इसका आहरण किया जा सकता है।

डेहरी में अल्ट्रासाउंड-पैथोलॉजी सेंटरों पर लगातार दूसरे दिन भी

नवप्रदेश/डेहरी ओन सोन रोहतास। डेहरी शहर में नियमों को ताक पर रखकर संचालित किए जा रहे अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी एवं अन्य स्वास्थ्य जांच केंद्रों के खिलाफ अनुमंडल प्रशासन ने लगातार दूसरे दिन भी सख्त अभियान चलाया। डेहरी एसडीएम निलेश कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर कई जांच केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। प्रशासन की लगातार कार्रवाई से स्वास्थ्य जांच केंद्र संचालकों में हड़कंध मचा हुआ है। अभियान के पहले दिन प्रशासनिक टीम ने पाती रोड स्थित रॉयल अल्ट्रासाउंड सेंटर, आदित्य अल्ट्रासाउंड तथा मां शारदा हेल्थ केयर समेत अन्य संस्थानों की जांच की। जांच के दौरान सामने आई अनियमितताओं के आधार पर मां शारदा हेल्थ केयर को सील कर दिया गया। वहीं अन्य संस्थानों के पंजीकरण, लाइसेंस, चिकित्सकीय योग्यता, आवश्यक दस्तावेज और जांच संबंधी व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की गई। लगातार दूसरे दिन एसडीएम निलेश कुमार दल-बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। इस दौरान सुनील बोस, अल्का अल्ट्रासाउंड, राज इमर्जेंसि सेंटर सहित करीब आधा दर्जन से अधिक पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच की गई।

किन्नर समाज के सम्मान समारोह में शामिल हुए मंत्री



उत्तरदाहा में नाली निर्माण तथा शिवपुर गंज एवं कहने पासवान टोली में नाली व पीसीसी सड़क निर्माण

पीरो प्रखंड के चौबे के छावनी मोड़ पर यात्री शेड निर्माण

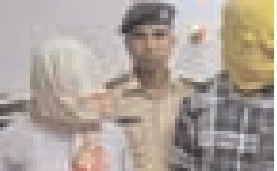
संधि का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार के हितों की अनदेखी कर जल समझौता नहीं होना चाहिए। उनका कहना है कि फरक्का बराज और गंगा में बढ़ते गाद के कारण बिहार में बाढ़ की समस्या गंभीर होती जा रही है। उन्होंने मांग की कि वर्ष 2050 तक बिहार की जल जरूरतों

का आकलन कर पहले राज्य की हिस्सेदारी तय की जाए, उसके बाद ही बांग्लादेश के साथ गंगाजल बंटवारे पर समझौता हो। संजय झा ने कहा कि बिहार पिछले 30 वर्षों से हो रहे अन्याय को अब आगे सहन नहीं करेगा और उनकी पार्टी इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी।गौरतलब है कि

संजय झा इन दिनों गंगा तटवर्ती 12 जिलों में ह्यनीतीश संवादक कार्यक्रम कर रहे हैं। इसकी शुरुआत बक्सर से हुई है और समापन कटिहार में प्रस्तावित है। वहीं, इसी बीच हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने भी बख्तियारपुर का नाम बदलकर नीतीशपुरम करने की मांग रखी है।

मिशन, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री से निर्बंधित पत्र भेजकर किया है। उन्होंने कहा कि जब से विभाग के विजय कुमार सिन्हा विभाग के मंत्री और सीके अनिल अपर मुख्य सचिव के पद के दायित्व से मुक्त हुए यहां मनमानी बढ़ गई। खुलेआम भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है। किसी वाद में आदेश में जाने के बाद 10 दिन में आदेश हो जाता है तो किसी में बहुत दिन बीतने के बाद। बात नहीं जमी तो बेवजह प्रतिकूल आदेश पारित करना आम बात है। साहब इतना मेहरबान कार्यपालक सहायक पर

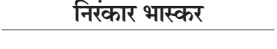
फर्जी अफसर, पुलिस की वर्दी और नकली सर्टिफिकेट पटना में नौकरी के नाम पर टगी करने वाले जीजा-साला गिरफ्तार



सचिवालय में लगा रखा था बहाली का बैनरमामले का खुलासा तब हुआ जब समाज कल्याण विभाग के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी राजनाथ सिंह को सचिवालय परिसर में एक व्यक्ति द्वारा उछड़ बहाली से संबंधित बैनर लगाने और वीडियो काल के जरिए लोगों का इंटरव्यू लेने की जानकारी मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ शुरू की जांच में आरोपी का आईकार्ड और अन्य

दस्तावेज फर्जी पाए गए। इसके बाद पुलिस ने उसके साले को भी गिरफ्तार कर लिया।नकली सर्टिफिकेट और पुलिस की वर्दी बरामद पुलिस ने आरोपियों के पास से पुलिस की वर्दी, फर्जी आईकार्ड और नकली सर्टिफिकेट बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, कुछ दस्तावेजों पर वरिष्ठ अधिकारियों के कथित फर्जी हस्ताक्षर भी मिले हैं। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने नौकरी दिलाने के नाम पर कितने लोगों से पैैसे लिए और इस फर्जीवाड़े में इनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं। मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

बिहार में दो साल से बंद INSPIRE-SHE छात्रवृत्ति हजारों मेधावी छात्र अधिसूचना के इंतजार में



निरंकार भास्कर नवप्रदेश/पटना। विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने वाली केंद्रसरकार की INSPIRE-SHE योजना बिहार में दो सत्रों से ठप पड़ी है। सत्र 2024-25 के बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू नहीं होने से पटना साईंस कॉलेज, पटना वीमेंस कॉलेज, मगध महिला कॉलेज समेत कई संस्थानों के विज्ञान के छात्र-छात्राएं आर्थिक सहायता की उम्मीद में अधिसूचना का इंतजार कर रहे हैं।योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को प्रतिमाह 5,000 यानी सालाना 60,000

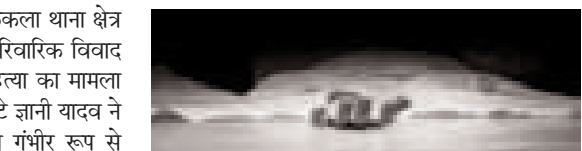
छात्रवृत्ति के साथ समर मेंटरशिप के लिए 20,000 तक का अनुदान दिया जाता था। इस तरह एक विद्यार्थी को सालाना कुल 80,000 तक की आर्थिक सहायता मिल सकती थी। इस योजना का लाभ मुख्य रूप से 12वीं में शीर्ष एक प्रतिशत स्थान परने वाले तथा जेईई, नीट या अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपीयाड के पात्र विद्यार्थियों को मिलता है। योजना का उद्देश्य बेसिक एवं नेचुरल साईंस में स्नातक और परास्नातक स्तर की पढ़ाई को प्रोत्साहित करना है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार,

2019-20 से 2024-25 तक बिहार के हजारों विद्यार्थियों ने इसके लिए आवेदन किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र लाभान्वित हुए। अब छात्र नई अधिसूचना जारी होने और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।छात्रों की मांग है कि योजना को लेकर जल्द स्पष्ट अधिसूचना जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि आर्थिक रूप से जरूरतमंद और मेधावी विज्ञान विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में सहायता मिल सके।

दरभंगा में मां की हत्या से सनसनी, बेटे पर बांस के टुकड़े से पीटकर मारने का आरोप

निरंकार भास्कर/नवप्रदेश/दरभंगा। फेकला थाना क्षेत्र के बीसबीथा गांव में मंगलवार शाम परिवारिक विवाद के दौरान 65 वर्षीय प्रमिला देवी की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि उनके बेटे जानी यादव ने बांस के टुकड़े से हमला कर मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।बताया जाता है कि जानी यादव किसी बात को लेकर अपने पुत्र की पिटाई कर रहा था। पोते को पिटाता देखकर प्रमिला देवी बीच-बचाव करने पहुंचीं और बेटे को रोकने लगीं। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गुस्से में जानी यादव ने पास पड़े बांस के टुकड़े से मां पर हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही फेकला थानाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण कुमार दल-बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। पुलिस ने आरोपी जानी यादव को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।।यानि का आरोप लगाकर महिला से मारपीट, छह लोगों पर ऋक्छमधर,



जाले थाना क्षेत्र के महली ननकार वार्ड नंबर-10 में एक महिला के साथ डायन का आरोप लगाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि 3 सितंबर की रात करीब नौ बजे पड़ोस के एक परिवार के लोग घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की।आरोप है कि विरोध करने पर महिला को बाल पकड़कर घसीटा गया तथा लात-घुंसे और लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया गया। महिला के सिर में चोट लगी है और उसका इलाज कराया गया है। मामले में पीड़िता ने सुबोध पासवान, गुलाबो देवी, फूल कुमारी देवी, प्रमोद पासवान, सुरेंद्र पासवान और छोटू पासवान समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किन्नर समाज के सम्मान समारोह में शामिल हुए मंत्री

शिलान्यास कार्यक्रम के पश्चात मंत्री श्री कुशवाहा जगदीशपुर नगर के वार्ड नंबर 07 में आयोजित किन्नर समाज के एक सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान किन्नर समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया और कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की।

एक नजर

बैंक ऑफ इंडिया के 121वें स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम, ग्राहकों को ऋण एवं निवेश उत्पाद वितरित
नवप्रदेश/डेहरी ऑन सोन रासास। बैंक ऑफ इंडिया के 121वें स्थापना दिवस के अवसर पर डेहरी ऑन सोन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार विधान परिषद के सभापति के रोहतास जिला प्रतिनिधि श्री प्रकाश गोरवामी की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के ऐतिहासिक सफर और आम लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने में इसकी भूमिका की सराहना की। समारोह में बैंक के वरीय शाखा प्रबंधक श्री वैभव कुमार सहित बैंक के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक की ओर से कुछ नए ग्राहकों को ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा उन्हें बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न निवेश उत्पाद प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों ने ग्राहकों को बैंक की विभिन्न सेवाओं, ऋण सुविधाओं एवं निवेश योजनाओं की जानकारी दी। उपस्थित अतिथियों ने बैंक के 121 वर्षों के सफर को गौरवपूर्ण बनाते हुए भविष्य में भी ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर जयनाथ चंदन (ऋण प्रबंधक), मृत्युंजय सिंह (ऋण अधिकारी), यशवंत वर्मा (सेवा प्रबंधक), रोशन कुमार (सेवा अधिकारी), ममता कुमारी, हर्षिता देवी सहित अन्य बैंककर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बैंक ऑफ इंडिया परिवार को 121वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के छठीहार को किया गया मटका फाड़ प्रतियोगिता का आयोजन

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के नोनहर गांव स्थित प्राचीन बुढ़वा शिव मंदिर के पास स्थित मैदान में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के छठीहार के अवसर पर बुधवार की रात भव्य मटकी फाड़ (दही हांडी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वार्षिक और सांस्कृतिक आयोजन को देखने के लिए स्थानीय ग्रामीणों के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे परिसर में उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा। इस उत्सव के दौरान युवाओं की टोलियों ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया और मानव परिमिड बनाकर मटका फाड़ने की परंपरा को निभाया। कार्यक्रम का मुखिया प्रतिनिधि मिमकी राज मेहता, सरपंच प्रतिनिधि प्रभाकर कुमार उर्फ भोला ठाकुर, प्रकाश संतोष चंद्रकांत, समाजिक कार्यकर्ता मंदू राय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम में ढोला टी, पश्चिम टोला टीम सहित चार टीमों ने भाग लिया। जिसमें संतोष यादव की पश्चिम टोला टीम विजेता रही। गोविंद की उपाधि अनिल कुमार पतिा रामेश्वर सिंह को मिली। आयोजक मंडल की ओर से विजेता टीम को ट्रॉफी तथा टीम के सभी सदस्यों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं मटका फाड़ने वाले को नोनहर निवासी गेग व्यवसायी रिकू कुमार ने 301 रुपया नगद पुरस्कार स्वरूप दिया। कार्यक्रम का आयोजन बुढ़वा शिव मंदिर नोनहर की ओर किया गया था। जिसमें सक्रिय भूमिका कर्मचारी पटेल, सागर पटेल, दुर्गाश पटेल, मूल्य पटेल, गोलू पटेल, पंपू कुमार, विशाल मालाकार सहित कमेट्री के सभी सदस्यों ने निभाई।

थाना चौक सुपर मार्केट रोड में सोना मोबाइल दुकान का भव्य शुभारंभ

नवप्रदेश/सहरास। शहर के थाना चौक स्थित सुपर मार्केट रोड में मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान की नई दुकान हासोना मोबाइल का गुरुवार को भव्य शुभारंभ किया गया। दुकान का उद्घाटन नगर निगम उपमेयर गड्डू हयात, एमएस स्टार के बिहार-झारखंड हेड रंजन कुमार एवं दुकान के प्रोपराइटर मोहम्मद सईद आलम उर्फ सोना ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों को पाक चादर एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। दुकान में एमएस स्टार कंपनी की मोबाइल बेटरी, चार्जर सहित मोबाइल से जुड़े विभिन्न प्रकार के एक्सेसरीज और अन्य उपयोगी सामान उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम ने बताया कि ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मोबाइल से संबंधित विभिन्न उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। शुभारंभ के अवसर पर स्थानीय लोगों एवं ग्राहकों की भीड़ मौजूद रही।।प्रोपराइटर मोहम्मद सईद आलम उर्फ सोना ने कहा कि ग्राहकों को उचित कीमत पर गुणवत्तापूर्ण मोबाइल एक्सेसरीज उपलब्ध कराना दुकान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

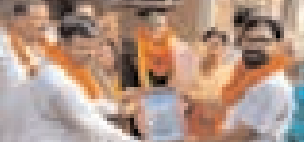
मां दुर्गा की प्रतिमा गढ़ने खुटहां आया था कारीगर, बेलगाम टूक ने रौंदा

नवप्रदेश/ तरारी, भोजपुर, आरा। दशहरा में मां दुर्गा की प्रतिमा को अंतिम रूप देने और पूजा पंडाल सजाने की तैयारी में जुटे खुटहां बाजार में गुरुवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा के लिए प्रतिमा आए पंडाल तैयार करने पहुंचे मूर्ति कारीगर दिलीप कुमार को पीरो की ओर से तेज गति से आ रहे बेलगाम ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भाग निकला और सहियारा के समीप ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। जख्मी की पड़वान झारखंड के जामताड़ा जिले के बिलापथ थाना क्षेत्र के मलादो गांव निवासी देव शर्मा के 45 वर्षीय पुत्र दिलीप कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दिलीप कुमार अपने साथियों के साथ प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा की कल्पे खुटहां बाजार में बनने वाले दुर्गा पूजा पंडाल और मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार करने के लिए आया हुआ था। गुरुवार की सुबह करीब 6-30 बजे वह अपने साथियों के साथ वापस पीने निकला था। इसी दौरान पीरो की तरफ से आ रहे तेज पारवार ट्रक ने उसे अपनी चोट में ले लिया। हादसे के बाद भड़क आक्रोश, दो घंटे जाम रहा हाईवे घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे को जाम कर दिया

ट्रेनिंग के बाद लैपिटनेंट विकास कुमार का पैतृक गांव चवरिया में स्वागत

23 साल की उम्र में नारायणपुर थाना क्षेत्र चवरिया गांव के विकास ने रचा सफलता का इतिहास

विकास की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए गर्व की बात संस्था पंचायत मुखिया गजेन्द्र सिंह यादव



नवप्रदेश/अगिआंव भोजपुर। होसले की उड़ान को कोई रोक नहीं सकता पूरा करने का जुनून, तो साधारण परिवार से निकला युवा भी असाधारण मुकाम हासिल कर सकता है। नारायणपुर थाना क्षेत्र के सार्वरिया गांव निवासी गुप्तेश्वर सिंह यादव उर्फ गुप्त सिंह के पुत्र 23 वर्षीय विकास कुमार ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। भारतीय सेना में लैप्टेनंट के रूप में चयनित होने के जब विकास कुमार पहली बार अपने घर पहुंचे तो परिजनों और ग्रामीणों की खुशी देखते ही बन रही थी। गाजे-बाजे के साथ उनका स्वागत किया गया। लोगों ने पुष्पवर्षा की और आरती उतारकर सेना के इस युवा अधिकारी को सम्मानित किया। लंबे संघर्ष के बाद मिली इस सफलता पर परिवार की आंखों में खुशी के आंसू थे। प्रखंड का चवरिया है। हालांकि उनका बचपन कोईलवर के वाई संख्या आठ में मामा हिमोद कुमार और मामी रेखा देवी के स्नेह और संरक्षण में बीता। यहीं से उन्होंने आप्रोपीएस विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा हासिल की। वर्ष 2013 में सैनिक स्कूल अमरावती नगर, तमिलनाडु में उनका चयन हुआ। विकास ने सितंबर 2025 में सीडीएस की परीक्षा दी और इसके बाद ओटीए वेननई में प्रशिक्षण के लिए चयनित हुए। करीब 11 माह तक कठिन सैन्य प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 5 सितंबर को उनका बत सेवा में लैप्टेनंट के रूप में चयन हुआ।विकास किसान पिता गुप्तेश्वर सिंह और गृहिणी मां उमा देवी के दो पुत्रों में बड़े हैं। सामान्य किसान परिवार से आने वाले विकास ने अपनी सफलता के श्रेय ममाम-मामी के साथ पूरे परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार ने हर कदम पर उनका हीसला बढ़ाया और कभी लक्ष्य से भटकने नहीं दिया।लेख्था पंचायत मुखिया गजेन्द्र सिंह यादव ने कहा विकास किया है। अभी ग्रामीण क्षेत्रों में प्रेरणा के साथ-साथ युवाओं को सीख लेने की जरूरत है। विकास की कामयाबी हम सबके लिए गौरवान्वित महसूस हो रहा है।डीपीपीएस निर्देशक रविकांत राय ने बताया कि हमारे विद्यालय में छात्रों के प्रति उचित शिक्षा की दिशा निर्देश पर अवसर फल को कामयाबी मिलती है। स्वागत समारोह के दौरान गुप्तेश्वर सिंह मनोज सिंह मुखिया गजेन्द्र सिंह यादव प्रमोद सिंह यादव सभल किशोर समेत की सैकड़ों संख्या में ग्रामीण जनता शामिल थे।

बाबा विश्वंबरनाथ धाम में श्रीकृष्ण छटिया महोत्सव संपन्न, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया महाप्रसाद

नवप्रदेश/बेतिया। बाबा विश्वंबरनाथ धाम मंदिर परिसर, पक्की बावली में आयोजित प्रभु श्रीकृष्ण जी का पावन छटिया महोत्सव श्रद्धा और भक्ति-भाव के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा विश्वंबरनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर प्रबंधक समिति ने आयोजन में शामिल श्रद्धालुओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अतिथियों, भक्तों, सेवकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति ने टाकुर जी महाराज से सभी श्रद्धालुओं के परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की



महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और मोमबत्ती निकाली, डॉक्टर हैरान

नरसाराओपेट (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला को सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के अंदर कई असामान्य वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। सर्जरी के दौरान महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। जानकारी के मुताबिक पेटतुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली महिला को कुछ समय से सीने में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मेडिकल टेस्ट और स्कैन कराए। रिपोर्ट में पेट के अंदर ठोस वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला की सर्जरी करने का फैसला लिया। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से पेट में छेदा चीरा लगाकर अंदर मौजूद वस्तुओं को एक-एक कर बाहर निकाला। डॉक्टरों के मुताबिक पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक पेन का ढक्कन नहीं था और उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ रहा था। माना जा रहा है कि इसी वजह से महिला को दर्द हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक एक साथ इतनी संख्या में ठोस वस्तुओं का पेट में पाया जाना बेहद असामान्य और दुर्लभ है।

बीजेपी कर सकती है 5 राज्यों में चुनाव से पहले नए प्रभारियों की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले नए मोर्चा प्रभारियों के नामों की घोषणा कर सकती है। सूचों के मुताबिक हरिश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया जा सकता है। वहीं सतीश पूनिया को भी पद मिल सकता है। पार्टी महिला मोर्चा, एसएसटी, ओबीसी और किसान मोर्चा के प्रभारियों की भी घोषणा कर सकती है। बीजेपी हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा का प्रभारी बना सकती है, वहीं महिला मोर्चा की डी.पूरेश्वरी को प्रभारी, एससी मोर्चा के संजय भाटिया, ओबीसी मोर्चा वैजयंत पांडा, किसान मोर्चा लाल सिंह आर्या, एसटी मोर्चा सतीश पूनिया, अल्पसंख्यक मोर्चा गजेंद्र पटेल को जिम्मेदारी सौंप सकती है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादी गिरफ्तार, पुलिस कर रही पूछताछ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो घाटी जिलों से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स और गढ़वाल राइफल्स को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले के माना इंगखोल में ‘नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर’ के 28 साल के सक्रिय सदस्य को पकड़ा। उन्होंने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में चिंगमेइरोंग से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 44 साल एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए दो अन्य लोगों में एक प्रतिबंधित कांगलेई याओल कन्ना लुप का सक्रिय सदस्य है, जिसे इंफाल पश्चिम के सांग्मिलटोंगबा स्थित उसके घर से पकड़ा। वहीं, दूसरा व्यक्ति इंफाल पूर्व के अहलुघु से पकड़ा गया, जो कैसीपी का सदस्य है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सलमान की काला हिरण पर रोक की मांग: फिल्म रिलीज को तैयार नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान की याचिका पर काला हिरण- द बेटल फॉर लिगेसी फिल्म को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई जारी है। सलमान ने अपनी पहचान और 1998 के काले हिरण मामले के इस्तेमाल का आरोप लगाकर फिल्म की रिलीज और प्रचार पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान, फिल्म निर्माताओं ने अदालत को बताया कि फिल्म अभी रिलीज के लिए तैयार नहीं है और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित होना बाकी है। सलमान का आरोप है कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े तथ्यों और विवादों का अनधिकृत इस्तेमाल किया जा रहा है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में एक ऐसा चरित्रार दिखाया गया है जो उनसे काफी मिलता-जुलता है, यहाँ तक कि उनके प्रसिद्ध ब्रेसलेट का इस्तेमाल हुआ है। सलमान का कहना है कि यह उनकी पर्सनेलिटी राइट्स का उल्लंघन है और इससे उनकी छवि को नुकसान होता है। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक इन आरोपों को खारिज कर रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्म काल्पनिक है, किरदार का नाम अयान खान है और कोई भी प्रोप्रेटिक मेकअप सलमान जैसा दिखने के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया। ब्रेसलेट को लेकर भी उनका तर्क है कि यह सिर्फ सलमान ही नहीं पहनते। हालांकि, सलमान के वकील ने कोर्ट में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म रिलीज की संभावना को देखकर , सेंसर बोर्ड प्रमाणन की अनुपस्थिति में भी रोक लगाने की मांग की, जिसे कोर्ट ने अपने आदेश में शामिल किया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं को दो सप्ताह के भीतरजवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है, और मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को निर्धारित की गई है।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- पति पर रेप का केस कैसे चलाया जा सकता है?

वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर तीन हफ्ते बाद अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

वैवाहिक बलात्कार (मैरिटल रेप) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही संवैधानिक चुनौती पर बुधवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की अंतिम सुनवाई तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब कानून में वैवाहिक बलात्कार का अपवाद मौजूद है, तो पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ अभियोजन किस आधार पर चलाया जा सकता है।

पीठ ने पूछा कि जब तक वैवाहिक बलात्कार अपवाद की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट फैसला नहीं कर देता, तब तक पत्नी से बलात्कार के आरोप में पति के खिलाफ मुकदमा कैसे चल सकता है? जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी इसी पहलू पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आईपीसी की धारा 375 में स्पष्ट रूप से वैवाहिक बलात्कार का अपवाद था, तो उसकी संवैधानिक वैधता



पर फैसला होने तक अभियोजन की अनुमति दी जा सकती है या नहीं।

पीठियों की सुरक्षा पर भी कोर्ट का जोर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पीठियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन मौजूदा कानूनी प्रावधानों के रहते अभियोजन के अधिकार का सवाल भी महत्वपूर्ण है। यह मामला कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले से जुड़ा है, धारा 375 में स्पष्ट रूप से वैवाहिक बलात्कार के मामले में पति को कानून के तहत पूर्ण छूट

हासिल नहीं है। हाईकोर्ट ने पत्नी की इच्छा के खिलाफ यौन संबंध बनाने पर पति के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

बौएनएस में भी वैवाहिक बलात्कार का अपवाद

मामला मूल रूप से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद-2 से जुड़ा है। अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 लागू है। बीएनएस में भी 18 वर्ष या

उससे अधिक उम्र की पत्नी के साथ पति के यौन संबंध को लेकर समान अपवाद मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि अंतिम सुनवाई में दो प्रमुख सवालों पर विचार होगा। पहला, यदि वैवाहिक बलात्कार का अपवाद बरकरार रहता है तो क्या पति के खिलाफ अभियोजन जारी रखा जा सकता है। दूसरा, क्या यह अपवाद संविधान की कसौटी पर कायम रह सकता है।

केंद्र ने अपराध बनाने का किया था विरोध

केंद्र सरकार ने 2024 में दाखिल हलफनामे में वैवाहिक बलात्कार को अपराध बनाने का विरोध किया था। केंद्र का कहना था कि विवाहित महिलाओं को यौन हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों में पर्याप्त वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं। सरकार के अनुसार विवाह संस्था के भीतर बलात्कार का अपराध लागू करना अत्यधिक कठोर और असंगत हो सकता है तथा यह मुख्य रूप से सामाजिक और विधायी नीति का विषय है।

प्रियंका गांधी का नाम और आवाज इस्तेमाल कर लोगों को ठगने की कोशिश

-कार्यालय ने जारी किया स्कैन

अलर्ट, लोगों से की ऐसे फर्जी निवेश से बचने की अपील



नई दिल्ली, एजेंसी।

सांसद प्रियंका गांधी के नाम और उनकी आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैन अलर्ट जारी किया। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने को कहा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे को रिपोर्ट और ब्लॉक करें। इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े

पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। आजकल साइबर ठग लोगों का भरोसा जीतने के लिए रोज नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। बड़े नेताओं और जानी-मानी हस्तियों की एआई से आवाज और वीडियो बनाकर लोगों को भरोसे में लिया जा रहा है और लाखों-करोड़ों की ठगी की जा रही है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई वीडियो आपको बहुत ज्यादा मुनाफे का लालच दे रहा है, तो सतर्क हो जाएं। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर करें। सरकार या किसी नेता की तरफ से ऐसी कोई योजना आती है तो उसकी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर देखें।

मुंबई-गोवा हाईवे में देरी पर गडकरी बोले- उद्घाटन में नहीं जाऊंगा

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

पणजी, एजेंसी।

मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण में हो रही देरी पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी को लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। गडकरी ने यह भी कहा कि हाईवे का काम पूरा होने के बाद होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में वह शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी और खराब गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं।

गडकरी ने बुधवार को पणजी के पास पोरबोरिम में छह लेन वाले एलिवेटेड रोड

कांरिखेर के उद्घाटन के बाद उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वह अक्टूबर में मुंबई-गोवा हाईवे से होकर गोवा जाएंगे और रास्ते में खुद काम की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 8 सितंबर को अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी।

गडकरी के मुताबिक करीब 440 किलोमीटर लंबे मुंबई-गोवा हाईवे के चौड़ीकरण का 93-94 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसके बावजूद कई हिस्सों में गड्ढे, जलभराव, मरम्मत और ट्रैफिक जाम का जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। मई में खरापाछ टोल प्लाजा पर टोल वसूली भी शुरू हो गई थी, लेकिन परियोजना के कुछ हिस्सों में काम और सुधार जारी है। वर्ष 2021

में बंदरों के लिए बनाया गया एक ओवरपास भी ढह चुका है।

जमीन अधिग्रहण से लेकर ठेकेदारों की समस्या

मुंबई-गोवा हाईवे का चौड़ीकरण पहले 2016 तक पूरा किया जाना था, लेकिन जमीन अधिग्रहण, निर्माण पूर्व मंजूरियों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं के कारण परियोजना में लगातार देरी हुई। केंद्र सरकार ने 2024 में संसद में भी बताया था कि जमीन अधिग्रहण और कुछ ठेकेदारों की आर्थिक परेशानियों के कारण काम प्रभावित हुआ। गडकरी ने हाईवे किनारे वैज्ञानिक तरीके से लैंडस्केपिंग करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की मनमर्जी से पेड़



लगाने के बजाय विशेषज्ञों के अध्ययन के आधार पर फूल और पेड़ों की ऐसी प्रजातियां चुनी जानी चाहिए, जो अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ऑक्सीजन छोड़ें। यह हाईवे मुंबई को कोंकण के रास्ते गोवा से जोड़ता है और पर्यटन व स्थानीय कारोबार के लिए महत्वपूर्ण है।

निशिकांत दुबे की मांग....राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के विदेश जाने पर तत्काल रोक लगाने और उनकी संसदीय सदस्यता समाप्त करने की मांग उठा दी है। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1955 में लिखे पत्र का हवाला दिया, जिसमें नेहरू ने कथित तौर पर कम्युनिस्ट विचारधारा को देशद्रोह के समान बताया था। झारखंड के देवघर से सांसद दुबे ने लिखा कि नेहरू के शब्दों के अनुसार, क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म नहीं की जानी चाहिए और उनके विदेश जाने पर रोक नहीं लगनी चाहिए? सांसद दुबे ने नेहरू के हवाले से कहा कि कम्युनिस्ट विचारधारा का मतलब है देशद्रोह, विदेश में जाकर चुनी हुई सरकार के खिलाफ बोलना और परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करना देशद्रोह है, उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर रोक लगाना पूरी तरह से संवैधानिक होगा। सांसद दुबे ने सवाल किया कि नेहरू द्वारा स्थापित किया गया था कि विदेश में देश की परवों लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम नेहरू के पत्र को आधार माना जाए, जिसमें यह स्थापित किया गया था कि विदेश में देश के खिलाफ बोलने वाला कोई भी व्यक्ति राष्ट्र-विरोधी है, और कम्युनिस्ट विचारधारा को मानने वाले विशेष रूप से खतरेनाक राष्ट्र-विरोधी हैं, तब उस आधार पर राहुल गांधी को विदेश जाने से वयों नहीं रोका जाना चाहिए और उनकी संसदीय सदस्यता वयों नहीं खत्म की जानी चाहिए?



मायावती ने, भतीजे आकाश आनंद को बसपा से किया बाहर

समधी के संन्यास के बाद लिया बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए यह घोषणा की कि पार्टी के लोगों को यही बेहतर लगता है कि उन्हें पहले दिनांक 3 सितंबर 2026 को जिस प्रकार से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के अति-महत्वपूर्ण पद की सभी असम जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, उसी प्रकार अब उन्हें पार्टी में भी आज से पूरी तरह से फ्री (आजाद) कर दिया जाये। अतः श्री आकाश आनन्द पार्टी में अब स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं अर्थात ऐस में अब इनको पार्टी से पूरेतौर से मुक्त कर दिया गया है।

मायावती ने अपने समधी और आकाश आनंद के पिता अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, आज श्री अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा अति-देर से उठायी गयी यह सही कदम है। मायावती का कहना था कि



अगर यह फैसला पहले ही ले लिया जाता,

तो बसपा, बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के साथ-साथ उनके दामाद आकाश आनंद को भी लगातार विपरीत परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विधानसभा चुनावों और खासकर उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने की तैयारियों के बीच पार्टी व मूवमेंट के व्यापक हित में कई बार कड़े फैसले लेने की जरूरत नहीं पड़ती। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी की अम्बेडकरवादी राजनीति को परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के पदचिन्हों पर

चलने वाली त्याग, तपस्या, संघर्ष और कुर्बानी की पहचान है, जहाँ निजी व पारिवारिक स्वार्थ से दूर रहना सर्वोपरि है। उन्होंने कांशीराम जी की तरह खुद को भी इसी सिद्धांत के प्रति समर्पित बताया और पार्टी के सभी लोगों को निजी व पारिवारिक स्वार्थ और पद की लालचा से ऊपर उठने की सीख दी, ताकि सदियों से शोषित, पीड़ित बहुजन समाज शासक वर्ग बन सके। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के फैसले को देर आये दुरुस्त आये बताया, लेकिन साथ ही उनको नीयत पर भी सवाल उठया। उन्होंने कहा कि अगर अशोक सिद्धार्थ को आकाश आनंद के उज्ज्वल भविष्य और बसपा व उसके अम्बेडकरवादी बहुजन मूवमेंट के प्रति थोड़ी भी चिंता होती, तो वे बिना देरी किए तुरंत संन्यास की घोषणा कर देते। मायावती के अनुसार, ऐसा कुछ भी न होना यह साबित करता है कि अशोक सिद्धार्थ की नीयत में खोत व अभिलाषा अभी भी पूरी तरह से बरकरार है।

लद्दाख के भविष्य पर मसौदा नहीं आने से भड़के वांगचुक, दी आंदोलन की चेतावनी

-गृह मंत्रालय के साथ लद्दाख पर हुई बैठक रही बेनजीता

नई दिल्ली, एजेंसी।

लद्दाख के भविष्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई, जिससे प्रतिनिधिमंडल ने गहरी निराशा जताई है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और लेह एपेक्स बॉर्डो(लेब) कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की सब-कमेटी के बीच करीब चार महीने बाद हुई इस बैठक में सरकार की ओर से प्रस्तावित लोकतांत्रिक ढांचे का कोई लिखित मसौदा सामने नहीं रखा गया। लद्दाख के एक्टिविस्ट और लेब से जुड़े सोनम वांगचुक ने इसे निराशाजनक बताया। उनके मुताबिक, पिछली बैठक 22 मई को हुई थी और उम्मीद थी कि इस बार सरकार ठोस प्रस्ताव लेकर आएगी।



वांगचुक ने बताया कि बैठक में उन्हें सवालों की एक सूची दी गई और अगली बैठक में चर्चा का आश्वासन दिया गया, जबकि विधानसभा, सीधे परिसीमन और चुनाव जैसे मुद्दों पर पहले भी बात हो चुकी है और इस बैठक में कोई खास प्रगति नहीं हुई। अगली बातचीत अक्टूबर के पहले सप्ताह में कारगिल में होने पर सहमति बनी है, जहाँ प्रतिनिधिमंडल को ज्यादा स्पष्टता और ठोस प्रस्ताव की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल की मुख्य मांग है कि लद्दाख में जल्द से जल्द लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई विधानसभा स्थापित की जाए और इस प्रस्ताव को संसद के आगामी

शीतकालीन सत्र में रखा जाए, ताकि चुनाव और लोकतांत्रिक संस्थाओं के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सके। एक सकारात्मक चर्चा का जिक्र करते हुए वांगचुक ने बताया कि बीती घटनाओं में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए मुआवजे पर सरकार ने सहमति जताई है, जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी। हालांकि, लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। लद्दाख प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलन से जुड़े लोगों पर दर्ज मामलों को चरणबद्ध तरीके से वापस लेने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है और सभी मामलों को एक साथ वापस लेने की मांग की है। सरकार ने इस पर विचार करने की बात कही है। वांगचुक के अनुसार, गृह मंत्रालय ने कुछ फैसलों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के मुख्य सचिव के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।